मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने सहित चुनाव सुधारों से जुड़ा संशोधन विधेयक सोमवार को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा से पारित हो गया। विधेयक को पेश करते हुए सरकार ने इस दौरान विपक्ष की उन आशंकाओं को भी शांत करने की कोशिश की...

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

राज्यसभा में 12 सांसदों के निलंबन के मसले पर सोमवार को भी जमकर हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने भाजपा पर जमकर भड़ास निकाली। जानें सपा सांसद जया बच्चन ने क्या कहा...

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 10 दिनांकः 21-12-2021 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

चुनाव सुधार बिल हुआ पास, आधार कार्ड से जुड़ेगा वोटर आईडी

-विधेयक में मतदाता सूची में दोहराव, फर्जी वोटिंग रोकने, मतदाता कार्ड और सूची को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र में सोमवार को विपक्ष के भारी विरोध के बीच मोदी सरकार ने लोकसभा में निर्वाचन विधि (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। इसमें मतदाता सूची में दोहराव और फर्जी मतदान रोकने के लिए मतदाता कार्ड और सूची को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। निचले सदन में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, एआईएमआईएम, आरएसपी, बसपा जैसे दलों ने इस विधेयक को पेश किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस ने विधेयक को विचार के लिये संसद की स्थायी समिति को भेजने की मांग की। विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने निर्वाचन विधि (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। इसके माध्यम से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।

विपक्षी सदस्यों की आशंकाओं को निराधार बताते हुए रिजिजू ने कहा कि सदस्यों ने इसका विरोध करने को लेकर जो तर्क दिये हैं, वे उच्चतम न्यायालय के फैसले को गलत तरीके से पेश करने का प्रयास है। यह शीर्ष कोर्ट के फैसले के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जन प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन का प्रस्ताव इसलिए किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकरण न करा सके तथा फर्जी तरीके से मतदान को रोका जा सके। विधि मंत्री ने कहा कि सदस्यों को इस पर सरकार का साथ देना चाहिए। विधेयक पेश किये जाने का विरोध करते हुए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह पुत्तुस्वामी बनाम भारत सरकार मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ है कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमारे यहां डाटा सुरक्षा कानून नहीं है और अतीत में डाटा के दुरुपयोग किये जाने के मामले भी सामने आए हैं।'

चौधरी ने कहा कि ऐसे में इस विधेयक को वापस लिया जाना चाहिए और इसे विचारार्थ संसद की स्थायी समिति को भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस के ही मनीष तिवारी ने कहा कि इस प्रकार का विधेयक लाना सरकारी की विधायी क्षमता से परे है। इसके अलावा आधार कानून में भी कहा गया है कि इस प्रकार से आधार को नहीं जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह इसका विरोध करते हैं और इसे वापस लिया जाना चाहिए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने कहा कि इस विधेयक में उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लंघन किया गया है और मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। इसलिए हम इसे पेश किये जाने का विरोध करते हैं। एआईएमआईएम के असादुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों एवं निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है। यह विधेयक गुप्त मतदान के प्रावधान के भी खिलाफ है। इसलिए हम इसे पेश किए जाने का विरोध करते हैं। कांग्रेस के शशि थरूर ने कहा कि आधार को केवल आवास के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं। ऐसे में इसे मतदाता सूची से जोड़ना गलत है। हम इसका विरोध करते हैं। आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को जीवन, निजता आदि के अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता है। पुत्तुस्वामी बनाम भारत सरकार मामले में उच्चतम न्यायालय ने बुनियादी अधिकारों पर जोर दिया था।

उन्होंने कहा कि इस मामले में मतदाता सूची को आधार से जोड़ने से संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को चुनाव सुधारों से जुड़े इस विधेयक के मसौदे को अपनी मंजूरी दी थी। इस विधेयक के मसौदे में कहा गया है कि मतदाता सूची में दोहराव और फर्जी मतदान रोकने के लिए मतदाता कार्ड और सूची को धार कार्ड से जोड़ा जाएगा। मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर किए गए विधेयक के मुताबिक, चुनाव संबंधी कानून को सैन्य मतदाताओं के लिए लैंगिक निरपेक्ष बनाया जाएगा। वर्तमान चुनावी कानून के प्रावधानों के तहत, किसी भी सैन्यकर्मी की पत्नी को सैन्य मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की पात्रता है लेकिन महिला सैन्यकर्मी का पति इसका पात्र नहीं है। प्रस्तावित विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने पर स्थितियां बदल जाएंगी।

निर्वाचन आयोग ने विधि मंत्रालय से जनप्रतिनिधित्व कानून में सैन्य मतदाताओं से संबंधित प्रावधानों में 'पत्नी' शब्द को बदलकर 'स्पाउस' (जीवनसाथी) करने को कहा था। इसके तहत एक अन्य प्रावधान में युवाओं को मतदाता के रूप में प्रत्येक वर्ष चार तिथियों के हिसाब से पंजीकरण कराने की अनुमति देने की बात कही गई है। वर्तमान में एक जनवरी या उससे पहले 18 वर्ष के होने वालों को ही मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की अनुमति दी जाती है। निर्वाचन आयोग पात्र लोगों को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की अनुमति देने के लिए कई 'कट ऑफ तारीख' की वकालत करता रहा है। आयोग ने सरकार से कहा था कि एक जनवरी की 'कट ऑफ तिथि' के कारण मतदाता सूची की कवायद से अनेक युवा वंचित रह जाते हैं। केवल एक 'कट ऑफ तिथि' होने के कारण दो जनवरी या इसके बाद 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले व्यक्ति पंजीकरण नहीं करा पाते थे और उन्हें पंजीकरण कराने के लिए अगले वर्ष का इंतजार करना पड़ता था।

विधि एवं न्याय संबंधी संसदीय समिति द्वारा संसद के जारी शीतकालीन सत्र में हाल में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि विधि मंत्रालय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 14-बी में संशोधन करना चाहता है। इसमें कहा गया कि संशोधन में मतदाता पंजीकरण के लिए हर वर्ष चार 'कट ऑफ तिथियों'-एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई तथा एक अक्टूबर-रखने का प्रस्ताव है।

चुनाव कानून संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

-शशि थरूर ने कहा- नागरिकता का प्रमाण नहीं है आधार

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक पेश किया गया। यह विधेयक चुनाव पंजीयन अधिकारियों को मतदाता सूचियों में वोटर के रूप में नाम जुड़वाने के इच्छुक लोगों को उनकी पहचान के दस्तावेज के रूप में आधार नंबर मांगने का अधिकार होगा। चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक 2021, मतदाता सूची डेटा को आधार से जोड़ने की अनुमति देता है और यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में पत्नी शब्द को पति, पत्नी शब्द से बदलने का भी प्रस्ताव करता है, जिससे कानून लिंग तटस्थ हो जाता है। यह चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को उन लोगों की आधार संख्या प्राप्त करने की अनुमति देता है जो पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से मतदाता के रूप में पंजीकरण करना चाहते हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आधार का मतलब केवल निवास का प्रमाण होना था, यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। यदि आप मतदाताओं के लिए आधार मांगने की स्थिति में हैं, तो आपको केवल एक दस्तावेज मिल रहा है जो नागरिकता नहीं बल्कि निवास दर्शाता है। आप संभावित रूप से गैर-नागरिकों को वोट दे रहे हैं।

2019 में आधार अधिनियम में उचित संशोधन के साथ आधार के संग्रह की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को पत्र लिखकर आधार के साथ मतदाता कार्ड को अनिवार्य रूप से जोड़ने के लिए एक उपयुक्त संशोधन की मांग की। इस पर कानून मंत्रालय ने सहमति जताई है। जबकि नव-पात्र मतदाता के पंजीकरण के लिए कई तिथियां - कहा जाता है कि कैबिनेट ने 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर की चार तिथियों को एक वर्ष में मंजूरी दे दी है। धारा 14 (बी) में संशोधन के माध्यम से संभव हो जाएगी। अगस्त 2015 में, आधार पर सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश ने मतदाता सूची में कई प्रविष्टियों की जांच के लिए आधार संख्या को मतदाता मतदाता डेटा के साथ जोड़ने के लिए चुनाव आयोग की परियोजना पर ब्रेक लगा दिया था।

शेयर बाजार में भारी गिरावट से निवेशकों को 7 लाख करोड़ का नुकसान

- पांच साल में पहली बार दिसंबर का महीना ??निवेशकों के ?लिए रहा सबसे खराब

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में बीते पांच सालों में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। ??जिससे बाजार निवेशकों में भी इजाफा देखने को मिला है लेकिन 2016 के बाद पहली बार दिसंबर का महीना निवेशकों के लिए बड़ा नुकसान वाला रहा है। दिसंबर 2021 में अब तक निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। जबकि सोमवार को यह नुकसान साढ़े 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का है। वहीं 10 दिसंबर के बाद से बाजार निवेशकों को करीब करीब 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ चुका है। जबकि 2017 से लेकर 2020 के बीच दिसंबर का महीना काफी अच्छा साबित हुआ है। आखिरी बार 2016 में निवेशकों को करीब एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। आंकड़ों के अनुसार 10 दिसंबर को बीएसई का मार्केट कैप 2,67,68,264.40 करोड़ रुपए था जो सोमवार को कम होकर 2,52,26,317.82 करोड़ रुपए पर आ गया है। इस दौरान बाजार निवेशकों को करीब 15 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

बाजार के इस रुख को देखकर लगता है ?कि नुकसान में और भी इजाफा देखने को मिल सकता है। दिसंबर 2021 में देखा जाए तो निवेशकों नुकसान नहीं हुआ है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार एक दिसंबर को बीएसई का मार्केट कैप 2,59,28,403.81 करोड़ रुपए था, जो अब 2,52,26,317.82 करोड़ रुपए पर आ चुका है। इसका आशय निवेशकों को दिसंबर 2021 में अब तक करीब 7 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ चुका है। बाजार जानकारों की मानें तो निवेशकों को नुकसान ओमाइक्रोन के बढ़ते प्रभाव और निवेशकों में दोबारा से लॉकडाउन लगने के कारण के कारण हुआ है। गौरतलब ?है ?कि 2016 के बाद से बाजार निवेशकों को साल के आखिरी महीने में निवेशकों को सबसे बड़ा बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। 2016 में दिसंबर के महीने में निवेशकों को करीब एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। जबकि 2017 से लेकर 2020 तक दिसंबर का महीना निवेशकों के लिए काफी पॉजिटिव रहा। 2017 में निवेशकों को दिसंबर में 7,21,868.35 करोड़ रुपए, दिसंबर 2018 में 96,021.08 करोड़ रुपए, दिसंबर 2019 में 1,16,399.98 रुपए और दिसंबर 2020 में सबसे ज्यादा 11,80,647.06 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था।

ओमिक्रॉन खतरा- देश के 6 एयरपोर्ट पर सोमवार से आरटी-पीसीआर टेस्ट की प्री-बुकिंग अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के कोहराम के बीच भारत में भी इसकी आहट ने चिंता बढ़ा दी हैं। तेजी से फैल रहे ओमिक्रॉन वेरिएंट के मद्देनजर देश के 6 एयरपोर्ट पर आरटी-पीसीआर टेस्ट की प्री बुकिंग अनिवार्य कर दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सबसे ज्यादा जोखिम वाले देशों से आने वाले यात्रियों के लिए ये नियम लागू किया गया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक एयर सुविधा पोर्टल में संशोधन किया जाएगा ताकि ज्यादा जोखिम वाले देशों से आने वाले या फिर वहां पर 14 दिनों तक रहने वाले लोगों की प्री बुकिंग कराई जा सके। बता दें कि जिन 6 एयरपोर्ट पर आरटी-पीसीआर टेस्ट की प्री बुकिंग अनिवार्य की गई है उनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद शामिल हैं। मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि अभी 6 एयरपोर्ट पर ही इसे अनिवार्य किया गया है ताकि इस बदलाव के बाद सिस्टम को स्थिति को देखा जा सके। अगर इन 6 एयरपोर्ट पर सब कुछ ठीक रहा तो इसे अन्य एयरपोर्ट पर भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट आमतौर पर किसी व्यक्ति में कोरोना वायरस के लक्षण का पता लगाने, ट्रैक करने और अध्ययन करने के लिए सबसे सटीक टेस्ट माना जाता है।

भारत में कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए आरटी- पीसीआर टेस्ट कराया जाता है। कई बार एक दिन में 15 हजार सैंपल तक लिए जाते हैं। इस सैंपल की रिपोर्ट आने में 8 घंटे तक का समय लगता है। ऐसे में अब अगर कोई यात्री जोखिम वाले देशों से आ रहा है तो उसे भारत के 6 एयरपोर्ट पर उतरने से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट की प्री बुकिंग करानी होगी। आरटी-पीसीआर टेस्ट के लिए एक यात्री को 500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि रैपिड पीसीआर टेस्ट के लिए 3,500 रुपए देने होंगे। आरटी-पीसीआर टेस्ट छह-आठ घंटे के भीतर आएगा। जबकि दूसरे टेस्ट यानी रैपिड पीसीआर टेस्ट के बाद केवल 30 मिनट से डेढ़ घंटे में रिजल्ट आएगा। इसके अलावा यात्री अपॉइंटमेंट को दोबारा शेडयूल कर सकते हैं या फिर बुकिंग को पूरी तरह से रद्द भी कर सकते हैं।

पनामा पेपर्स ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश हुईं ऐश्वर्या राय बच्चन

नई दिल्ली (ईएमएस)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेतार्हेंज;अमिताभ बच्चनर्हेंज;की बहू ऐश्वर्या राय बच्चन प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में पूछताछ के लिए हाजिर हुईं। ईडी ने उन्हें पनामा पेपर्स केस में नोटिस जारी कर पेश होने को कहा था। इससे पहले भी उन्हें नोटिस जारी किया गया था, लेकिन दो बार उन्होंने पेशी से छूट मांग ली थी। ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम उन 500 भारतीयों में शामिल हैं, जिनका जिक्र पनामा पेपर्स लीक में किया गया था। इस लिस्ट में ऐश्वर्या राय बच्चन के ससुर अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल है। हालांकि अब तक उनकी ओर से इस बारे में कोई बात नहीं कही गई है। ऐश्वर्या राय बच्चन से पहले प्रवर्तन निदेशालय की ओर से उनके पति अभिषेक बच्चन से भी पूछताछ की थी। यही नहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जल्दी ही अमिताभ बच्चन से भी इस मामले में एजेंसी पूछताछ कर सकती है। पनामा पेपर्स मामले में भारत के करीब 500 लोगों के शामिल होने का दावा किया गया था। इनमें देश के कई नेता, अभिनेता, बिजनेसमैन सहित कई चर्चित लोग शामिल हैं। पनामा पेपर्स र्हेंज;कांड तीन अप्रैल, 2016 र्हेंज;को शुरू हुआ जब कंपनी की डिजिटल आर्काईव्स से करीब 1.15 करोड़ फाइलें लीक हो गईंर्हेंज;इस पेपर लीक कांड ने दो देशों के शासनाध्यक्षों को पद से हटने पर मजूबर कर दिया जबकि अन्य कई बड़ी हस्तियों की साख खराब कर दी। लीक हुई फाइलें जर्मनी के अखबार' एसजेड को मिली थीं, जिसने बाद में उन्हें इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इंवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट को सौंप दिया था। इसके बाद जब इस बारे में रिपोर्ट्स छपीं तो दुनिया भर में हलचल मच गई और पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ समेत दुनिया की कई हस्तियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। इस लीक कांड के कारण आइसलैंड के प्रधानमंत्री सिग्मुंदुर डेविड गुनलॉगसन को इस्तीफा देना पड़ा था, जबकि अदालत ने नवाज शरीफ को शीर्ष राजनीतिक पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।

लड़की के विवाह की आयु 21 वर्ष करने के निर्णय पर खाप महापंचायत का आयोजन 23 दिसंबर को

जींद (ईएमएस)। हरियाणा के जींद में 23 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री चौ।चरण सिंह की जयंती पर खाप महापंचायत का आयोजन किया गया है। इसमें लड़की के विवाह की आयु 21 वर्ष करने और हिन्दू मैरिज एक्ट में सरकार के बदलाव करने के फैसले पर विमर्श होगा। सर्वजातीय सर्वखाप के राष्ट्रीय संयोजक टेकराम कंडेला, जाट धर्मशाला के प्रधान व ढांढा खाप के देवव्रत ढाड़ा व संदीप भारती ने सोमवार को अर्बन एस्टेट की जाट धर्मशाला में पत्रकारवार्ता कर ऐलान किया कि 23 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन पर सर्वखाप की हरियाणा की एक महापंचायत बुलाई गई है। यह ढांडा खाप की तरफ से आयोजित कार्यक्रम है। इसमें सभी हरियाणा की 36 बिरादरी के खापों के प्रधानों को शामिल किया गया है।

माल्या और नीरव मोदी की संपत्ति बेच 13000 करोड़ की रिकवरी की

-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। कारोबार के नाम पर बैंकों से लोन लेकर विदेश भाग गए हीरा कारोबारी नीरव मोदी और किंगफिशर एयरलाइंस के मालिक विजय माल्या पर सरकार की सख्ती जारी है। केंद्र सरकार ने कहा है कि विजय माल्या और नीरव मोदी की संपत्ति बेचकर 13000 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी की गई है। देश के कई बैंकों से हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करके दोनों कारोबारी विदेश में रह रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि विजय माल्या और नीरव मोदी की संपत्ति बेचकर 13109 करोड़ रुपये जुटा ली है। सीतारमण ने कहा कि बैंकों ने अब तक इन दोनों भगोड़े डिफॉल्टर की संपत्ति बेचकर यह रकम हासिल की है। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से इस साल जुलाई में ही विजय माल्या और नीरव मोदी से की संपत्ति बेचकर की गई रिकवरी के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन वित्त मंत्री ने संसद में आधिकारिक जानकारी आज दी है।

अगर बात शराब कारोबारी विजय माल्या की करें तो यूनाइटेड ब्रेवरीज के मालिक के रूप में विजय माल्या ने कई बैंकों से 9000 करोड़ का लोन लिया था। बैंकों का आरोप है कि लोन की रकम और ब्याज अब तक नहीं चुकाया गया है। अगर हीरा कारोबारी नीरव मोदी और मेहुल चौकसी की बात करें तो उन्होंने पीएनबी समेत कई बैंकों से 13000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की थी। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को अमेरिका की एक बैंकरप्सी कोर्ट ने जोरदार झटका दिया था। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की याचिका अमेरिकी कोर्ट ने खारिज कर दी थी। नीरव मोदी और उसके दो सहयोगियों ने कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि उनके खिलाफ लगे फर्जीवाड़े के आरोप को खारिज किया जाए। चोकसी इस साल जुलाई महीने में डोमिनिका की अदालत से जमानत मिलने के बाद एंटीगा और बरबुडा में रह रहा है। भारत से फरार होने के बाद चोकसी ने 2018 में एंटीगा की नागरिकता ली थी। उसे इस साल 23 मई को डोमिनिका में कथित तौर पर अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, हालांकि 51 दिन तक वहां हिरासत में रहने के बाद उसे जमानत मिल गई थी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मोदी सरकार पर वार

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है, जिस कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बाधित हो रही है। केंद्र सरकार इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा रही है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा है कि सदन चलाना विपक्ष की नहीं, सरकार की जिम्मेदारी होती है। सदन नहीं चलने देने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराने के सरकार के आरोप पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमें सदन में मुद्दों को नहीं उठाने दिया जा रहा है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ठहम चाहते हैं कि सरकार गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को हटाए और लखीमपुर खीरी मामले पर सदन में चर्चा कराए लेकिन सरकार करने नहीं दे रही है।ठ उन्होंने कहा कि ठहम लद्दाख का मामला उठाना चाहते हैं लेकिन सरकार उठाने नहीं दे रही। सरकार किसानों के मुद्दे पर, राज्यसभा सांसदों के निलंबन पर चर्चा नहीं करने देती और फिर हम पर आरोप लगाती है कि हम सदन नहीं चलने दे रहे हैं। सरकार की जिम्मेदारी सदन को चलाने के साथ-साथ सही तरीके से चर्चा कराने की भी होती है।फोन टैपिंग मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल ने कहा कि पेगासस मामले में भी सदन में सरकार ने चर्चा नहीं होने दी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और लगातार हो रहा है, जिसके खिलाफ हम लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगर विपक्ष जिम्मेदार हो तो, सदन चल सकता है। राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गोयल ने कहा कि सदन चलाना अगर सरकार की जिम्मेदारी है तो विपक्ष को भी सहयोग करना चाहिए। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री और राज्य सभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने कहा कि अगर विपक्ष जिम्मेदार हो तो सदन चल सकता है। विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सांसद हंगामा करें, सदन और सभापति की गरिमा को ठेस पहुंचाएं और माफी मांगने को भी तैयार न हो, यह विपक्ष के गैर-जिम्मेदाराना रवैये को दिखाता है। गोयल ने आगे कहा कि राज्य सभा के सभापति के कहने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने निलंबित सांसदों के नेताओं को बैठक के लिए बुलाया था, लेकिन ये बातचीत करने भी नहीं आए। मल्लिकार्जुन खड़गे के विपक्षी एकता तोड़ने के आरोप पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि अगर उन्हें कोई सुझाव देना था तो बैठक में आकर देते। सरकार अन्य दलों को भी बुला लेती।

राहुल गांधी के 'हिंदू और हिंदुत्ववादी' वाले बयान का प्रियंका ने किया समर्थन

रायबरेली (ईएमएस)। राजनीति में धर्म के इस्तेमाल को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'हिंदू और हिंदुत्ववादी' वाले बयान का कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने समर्थन करते हुए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर राजनीति के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। प्रियंका ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में हिंदू और हिंदुत्ववादी संबधी बयान के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा राहुल जी ने स्पष्ट कहा कि हिंदू धर्म सिखाता है कि सब लोग आपस में प्रेम भाव रखें। हिंदू धर्म सच्चाई सिखाता है।

राहुल जी कह रहे हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग और भाजपा के नेता राजनीति में धर्म का इस्तेमाल कर रहे है। उन्होंने कहा भाजपा और संघ के लोग धार्मिकता और सच्चाई के पथ पर चल नहीं रहे हैं क्योंकि वह आपके सामने रोज आकर झूठ ही बोलते हैं। राहुल जी कह रहे हैं कि आप फर्क देखिए कि असली धर्म क्या है। गौरतलब है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल में जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि वह हिंदू हैं मगर हिंदुत्ववादी नहीं हैं, हिंदू सत्य को ढूंढता है उसका रास्ता सत्याग्रह है और वह पूरी जिंदगी सच को ढूंढने में निकाल देता है जबकि हिंदुत्ववादी अपनी पूरी जिंदगी सत्ता को खोजने में लगा देता है उसे सिर्फ सत्ता चाहिए और उसके लिए वह कुछ भी कर देगा।

पिछले शनिवार को अमेठी में निकाली गई पदयात्रा के दौरान भी राहुल ने हिन्दू और हिन्दुवादियों की अलग-अलग परिसमझाते हुए कहा, 'एक तरफ हिंदू खड़े हैं जो सच्चाई की राह पर चलते हैं, नफरत नहीं फैलाते हैं। दूसरी तरफ हिंदुत्ववादी खड़े हैं जो नफरत फैलाते हैं और सत्ता छीनने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।' एक तरफ खुद और दूसरी तरफ मोदी को लक्ष्य करते हुए राहुल गांधी ने कहा था, एक तरफ हिंदू है, दूसरी तरफ हिंदुत्ववादी है। एक तरफ सत्य, प्रेम और अहिंसा है और दूसरी तरफ झूठ, नफरत और हिंसा है।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी लोगों के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर प्रियंका ने कहा यह तो सरकार का तरीका है। वह विपक्ष के नेताओं को सताने के लिए यह सब करती है। वह अपनी एजेंसियों का इस्तेमाल करती है। यह तो हम सालों से देख रहे हैं। इसमें कोई नई बात तो है नहीं।

खुद पर टिप्पणी से नाराज जया बच्चन का राज्यसभा में भाजपा पर हमला- शाप देती हूं, आप लोगों के बुरे दिन आएंगे

नई दिल्ली । राज्यसभा में एक टिप्पणी पर सोमवार को समाजवादी पार्टी से सांसद जया बच्चन भड़क गईं। उन्होंने इसे खुद पर लगाया गया आक्षेप करार दिया और गुस्से में भाजपा को बुरा-भला कहा। जया बच्चन ने कहा कि जल्द ही भाजपा के बुरे दिन आएंगे। माजरा एनडीपीएस (संशोधन) विधेयक पर बहस के दौरान का है। इस चर्चा के दौरान जया बच्चन ने विपक्ष के 12 निलंबित सदस्यों का मसला उठा दिया।

जया बच्चन ने पीठ पर मौजूद भुवनेश्वर कलिता से कहा कि वह दिन याद कीजिए जब आप खुद सदन में सभापति के आसन के नजदीक वेल में आ जाया करते थे। इसलिए वह उन्हें (कलिता को) बोलने का मौका देने के लिए धन्यवाद नहीं देंगी। जया के इस वाक्य पर भाजपा के सदस्यों ने कड़ा एतराज जताया। भाजपा के राकेश सिन्हा ने इसे पीठ का अपमान बताया लेकिन जया बच्चन ने बोलना जारी रखा।

जया बच्चन ने कहा कि जिस समय देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है उस समय मसौदे में व्याप्त भाषा की एक मामूली खामी को दूर करने के लिए सदन तीन-चार घंटे का समय लगा रहा है। इसी दौरान चल रही कहा-सुनी में जया ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी की गई है और पीठ उसका संज्ञान ले। पीठासीन सभापति से कहा, टिप्पणी मेरे करिअर को लेकर की गई है इसलिए टिप्पणी करने वाले पर कार्रवाई होनी चाहिए। सभापति इस मामले में तटस्थ रवैया अपनाएं।

जया बच्चन ने कहा, आप सदन की कार्यवाही के दौरान किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी कैसे कर सकते हैं? शाप देती हूं, आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। जया अपने खिलाफ जिस टिप्पणी पर बोल रही थीं, वह शोर-शराबे के बीच सुनी नहीं जा सकी। इस दौरान भाजपा और सपा के सदस्यों के बीच तीखी नोक-झोंक चल रही थी। कई सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर भी टिप्पणियां कीं। संयोग से जया बच्चन की नाराजगी सदन में उस दिन सामने आई है जिस दिन उनके बेटे अभिषेक की पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन से प्रवर्तन निदेशालय फारेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के मामले में पूछताछ कर रहा था। सपा सदस्यों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उनके नेताओं और परिवारों को राजनीतिक कारणों से निशाना बना रही है।

यह संयोग ही है कि सोमवार के दिन ही बालीवुड अभिनेत्री एवं जया बच्चन (Jaya Bachchan) की बहू ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2016 के 'पनामा पेपर्स' लीक प्रकरण से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के सामने पेश हुईं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ऐश्वर्या से विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फेमा के प्रविधानों के तहत पूछताछ कर रही है। आइए जाने क्या है यह मामला... यह केस साल 2016 में वाशिंगटन स्थित इंटरनेशनल कंसोर्टियम आफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) की ओर से पनामा पेपर्स की जांच से जुड़ा है। अभिनेता अमिताभ बच्चन की 48 वर्षीय बहू की भूमिका की इसी प्रकरण से जुड़े एक मामले में पूछताछ चल रही है।

कानूनी फर्म मोसैक फोंसेका के रिकार्ड से जुड़ी गोपनीय जानकारियों को 'पनामा पेपर्स' के नाम से जाना जाता है। इसमें दुनिया के कई नेताओं और मशहूर हस्तियों के नाम सामने आ चुके हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ ने कहा है कि इन हस्तियों ने कथित तौर पर देश से बाहर की कंपनियों यानी विदेशों में पैसा जमा किया था। इनमें से कुछ हस्तियों के बारे में यह भी कहा गया है कि उनके पास वैध विदेशी खाते हैं। इसमें कर चोरी के आरोप भी सामने आए हैं।

कार्टून कोना

देश में ओमिक्रॉन की रफ्तार तेज, दिल्ली में मिले 2 और केस, आंकड़ा 160 पर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की दहशत के बीच देश में भी इसकी रफ्तार बढ़ती जा रही है। सोमवार को दिल्ली में ओमिक्रॉन के दो और नए मामले सामने आए। इस संख्या के साथ ही देश में ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या 160 हो गई है। इसके बाद दिल्ली 24 ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या के साथ देश में दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 54 केस दर्ज हैं। सोमवार को दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय राजधानी में ओमिक्रॉन संक्रमण के दो नए केस सामने आए। इसके साथ ही दिल्ली में ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या 24 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 12 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। अभी 12 ओमिक्रॉन संक्रमितों का इलाज चल रहा है। भारत में ओमिक्रॉन संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में दो नए केस के अलावा कर्नाटक में ओमिक्रॉन के पांच नए मामले सामने आए। इस संख्या बल के साथ कर्नाटक में ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या 19 हो गई है।

रियर एडमिरल अतुल आनंद ने एफओके के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियर एडमिरल अतुल आनंद, वीएसएम ने 20 दिसम्बर को कर्नाटक नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग का कार्यभार संभाला। कर्नाटक नौसना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग सभी प्रतिष्ठानों तथा करवार नेवल बेस स्थित जहाजों और पन्डुबियों सहित कारवार की यूनिटों के ऑपरेशन और प्रशासन के लिए फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के प्रति उत्तरदायी होते हैं। रियर एडमिरल आनंद 1 जनवरी, 1988 को भारतीय नौसेना की एग्जीक्यूटिव शाखा में कमिशन किए गए। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, डिफेंस सर्विसेज़ कमांड तथा स्टॉफ कॉलेज, मीरपुर (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने अमरीका के हवाई स्थित एशिया पैसिफिक सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज में प्रतिष्ठित एडवांस सिक्योरिटी को-ऑपरेशन कोर्स भी किया है।

जन हितैषी

ओमिक्रॉन का बढ़ता खतरा

अभी कुछ समय पहले ही जब दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए बहुरूप ओमिक्रॉन का मामला सामने आया था, तभी कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दे दी थी कि अगर समय रहते इससे निपटने के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो यह खतरनाक रूप ले सकता है। हालांकि कोरोना की पहली और दूसरी लहर के त्रासद अनुभवों से सबक लेते हुए दुनिया भर में इस चेतावनी की अनदेखी तो नहीं की गई, लेकिन ऐसा लगता है कि इसे सीमित करने के प्रयास ज्यादा शिद्दत से किए जाने चाहिए थे। खबर आने के बावजूद ज्यादातर जगहों पर लोगों ने अपने स्तर पर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा। अब भारत में भी ओमिक्रॉन ने अपने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। शुरुआती दौर में कर्नाटक सहित कुछ राज्यों में इसकी मौजूदगी के संकेत पाए गए, लेकिन अब गुजरते दिन के साथ अन्य इलाकों में भी इसका खतरा बढ़ता जा रहा है। देश भर में अब ओमिक्रॉन से संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यों भारत जैसे इतने बड़े देश में कुल संख्या के लिहाज से देखें तो संक्रमण का दायरा फिलहाल बहुत बड़ा नहीं दिखता है। लेकिन शुरुआती दौर से कोरोना के विषाणु के फैलाव का जो स्वरूप रहा है, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि अगर वक्त रहते इसकी रोकथाम के इंतजाम नहीं किए गए, लोगों ने अपने स्तर पर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा तो आने वाले दिनों में यह संकट बड़ा हो सकता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पिछले साल अप्रैल-मई में गंभीर स्थिति में पहुंचने से पहले कोरोना के मामले इक्के-दुक्के ही बताए गए थे और इसके बाद दूसरी लहर के पूर्व भी हालात नियंत्रण में लग रहे थे। लेकिन दोनों बार इसके कहर को दुनिया ने देखा। अभी ओमिक्रॉन अपने असर में भले गंभीर नहीं दिख रहा है, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि यह भी कोरोना विषाणु का एक नया बहुरूप है। पिछले करीब दो सालों के दौरान इसके असर के जैसे त्रासद अनुभव रहे हैं, उसके मद्देनजर इसे हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। वैज्ञानिक भी बार-बार चेता रहे हैं कि ओमिक्रॉन भयानक रूप ले सकता है। अब तो विदेश में ओमिक्रॉन से मरने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। अब यह आशंका गहरा रही है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर दुनिया के सामने कोरोना के इस नए बहुरूप से निपटना बड़ी चुनौती साबित होगी। विडंबना है कि भारी तादाद में लोगों के कोरोना विषाणु से संक्रमित होने और मारे जाने के बावजूद अब तक इसे लेकर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई देती है। हालांकि भारत में टीकाकरण की रफ्तार अपनी गति से चल रही है और अब तक बड़ी आबादी को टीके की खुराक दी जा चुकी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि टीका लेने के बावजूद किसी को संक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। अब तक इस विषाणु की जैसी प्रकृति देखी गई है, उसमें टीकाकरण के बाद भी संक्रमण से बचाव के सभी उपायों को निरंतरता में बरतने की सावधानी बनी रहनी चाहिए। इसी में लापरवाही संक्रमण के फैलाव को नया मौका मुहैया करा सकती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि ओमिक्रॉन बहुरूप को हर स्तर पर गंभीरता से लिया और समय रहते इसके असर को नियंत्रित किया जाए।

बच्चों को अनुशासित करने ये उपाय करें

बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उनमें अनुशासन का भाग जगाना भी जरुरी है। इसलिए उसे प्यार देने के साथ ही थोड़ी बहुत सख्ती भी जरुरी है। इससे बच्चा सही और गलत का अंतर कर सकता है। इसलिए बच्चा अगर कभी भी अनुशासन तोड़ता है तो उसके सजा देना भी जरुरी है ताकि वह अपनी गलती समझ सके। हां यह सजा ज्यादा कठिन नहीं होनी चाहिये। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे के साथ संबंध बेहतर बनाए रहते हुये, संयम के साथ, कैसे उसे अनुशासित किया जाये, तो बस आपको कुछ अपाय करने होंगे।

अपने बच्चे को स्वाभाविक परिणामों के बारे में शिक्षा दीजिये। अपने बच्चे को उसके बुरे व्यवहार के स्वाभाविक परिणामों के संबंध में समझा कर आप उससे होनी वाली निराशा की जानकारी दे सकते हैं और उसे बता सकते हैं कि उसका बुरा व्यवहार उसे दुखी कर सकता है जिससे उसे पछतावा होगा। कठिन परिस्थितियों में से उसे निकालने के स्थान पर, बच्चे को उसके नकारात्मक कृत्यों से स्वयं ही निबटने दीजिये। स्वाभाविक परिणामों को समझने के लिए, बच्चे को कम से कम छः वर्ष का होना चाहिए।

यदि बच्चा कोई खिलौना तोड़ देता है या वह उसे धूप में छोड़ कर नष्ट कर देता है, तब एकदम उसे नया खिलौना मत दिलवाइए। बच्चे को कुछ समय तक बिना खिलौने के रहने दीजिये, और उससे बच्चा अपनी चीजों की ठीक से देखभाल करना सीख जाएगा। बच्चे को ज़िम्मेदारी की शिक्षा दीजिये। यदि बच्चा अपना गृहकार्य टीवी देखने के कारण नहीं कर पाया है तो उसका गृहकार्य पूरा कराने में उसकी मदद करने के स्थान पर, बच्चे को बुरे ग्रेड से उत्पन्न होने वाली निराशा का सामना करने दीजिये।

यदि बच्चे को अपने बुरे व्यवहार के कारण किसी पार्टी में नहीं निमंत्रित किया गया है, तब उसे यह समझ में आने दीजिये कि यदि उसका व्यवहार उस बच्चे के साथ कुछ और होता तब उसे निमंत्रित किया जा सकता था।

अपने बच्चे को तर्कसंगत परिणामों की शिक्षा दीजिये। तर्कसंगत परिणाम वे परिणाम होते हैं जो आप के अनुसार बच्चे के बुरे व्यवहार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होंगे। इनको सीधे सीधे बच्चे के व्यवहार से सम्बद्ध होना चाहिए ताकि बच्चा, भविष्य में उनको नहीं करने की शिक्षा प्राप्त कर सके। हर प्रकार के बुरे व्यवहार का तर्कसंगत परिणाम होना चाहिए, और परिणाम समय से पहले ही बता दिये जाने चाहिए।

यदि बच्चा अपने खिलौने संभाल कर नहीं रखता है तब उसे एक सप्ताह तक खिलौने न दें।

यदि आप बच्चे को टी वी पर कुछ गैरजरुरी कार्यक्रम देखते हुये पाएँ तो एक सप्ताह के लिए टी वी की सुविधा बंद कर दीजिये।

यदि बच्चा अच्छा व्यवहार नहीं करता तो उसे अपने मित्रों के साथ मत खेलने जाने दीजिये। इससे उसे सबक मिलेगा।

अपने बच्चे को सकारात्मक अनुशासन विधियों की शिक्षा दीजियेः सकारात्मक अनुशासन बच्चे के साथ कार्य की ऐसी विधि है, जिसके अनुसार इस प्रकार के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायता मिलती है जिससे कि बच्चा समझ सके कि बुरे व्यवहार के परिणाम क्या होंगे और वह भविष्य में उनसे बच सके। बच्चे को सकारात्मक रूप से अनुशासित करने के लिए आपको बच्चे के साथ बैठ कर उसके बुरे व्यवहार के संबंध में चर्चा करनी चाहिए और क्या क्या जा सकता है इस पर विचार करना चाहिए।

बच्चे को पुरस्कृत करने की प्रणाली भी निर्धारित करिएः पुरस्कृत करने की पद्धति भी निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि सकारात्मक व्यवहार के सकारात्मक परिणाम भी हो सकें। भूलिए मत कि अच्छे व्यवहार को सुदृढ़ करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बुरे व्यवहार को अनुशासित करना। बच्चे को यह दिखाने से कि, ठीक व्यवहार कैसे किया जा सकता है, उसको यह समझने में सहायता मिलेगी कि उसे क्या नहीं करना चाहिए।

भाषण न दें : ये पद्धतियाँ न केवल प्रभावहीन होती हैं, बल्कि इनके कारण आपका बच्चा आपसे नाराज़ हो कर आपकी उपेक्षा भी कर सकता है तथा आपके शब्दों और कृत्यों से उसे मानसिक और शारीरिक आघात भी लग सकता है।

दैनिक पंचांग

21 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

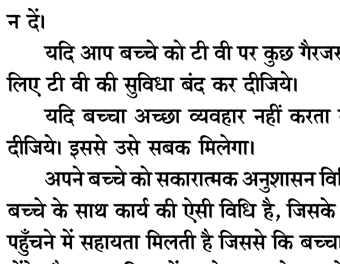

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.14 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	08.23 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	10.09 बजे से
बुध	धनु में	मीन	11.42 बजे से
गुरु	कुंभ में	मेष	13.13 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	14.53 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	16.51 बजे से
राहु	वृष में	कर्क	19.04 बजे से
केतु	वृश्चिक में	सिंह	21.21 बजे से
राहुकाल		कन्या	23.32 बजे से
3.00 से 4.30		तुला	01.43 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	03.58 ब.से

मंगलवार 2021 वर्ष का 355 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 14.54 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 22.25 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 11.37 बजे को समाप्त। **करण** गर 14.54 बजे तदनन्तर वणिज 03.56 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 26' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871104 **जूलियन दिन** 2459569.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2547 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 16 **विशेष** साल का सबसे छोटा दिन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली से 'विजेता' बनकर यूँ ही नहीं लौटे 'आंदोलनजीवी

कृषि प्रधान देश भारत में किसानों के आंदोलनों का वैसे तो लंबा इतिहास रहा है। परन्तु एक वर्ष तक चलने के बाद पिछले दिनों समाप्त हुआ किसान आंदोलन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा संचालित यह किसान आंदोलन निश्चित रूप से स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे चुनौतीपूर्ण आंदोलन था। इसमें एक और केंद्र की पूर्ण बहुमत प्राप्त सत्ता थी। उसके समर्थन में भाजपा शासित राज्य सरकारें थीं। मुख्य धारा का 'गोदी मीडिया ' खुलकर तीनों विवादित कृषि क़ानूनों व सरकार का पक्ष ले रहा था। इन सबके पीछे देश के जाने माने उद्योगपति खड़े थे। लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल अपने मंत्रालय के काम काज छोड़ 'लेखक' बनकर संपादकीय पृष्ठों पर काले कृषि क़ानूनों के हक़ में आलेख लिखकर अपने 'आक़ा ' को ख़ुश करने में लगा था। सरकार द्वारा अरबों रूपये के विज्ञापन पूरे देश के समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ पर एक दो नहीं बल्कि कई कई बार प्रकाशित कराये गये जिसमें सरकार द्वारा तीनों कृषि क़ानूनों को किसानों का हितैषी क़ानून बताया जाता था। स्वयं प्रधानमंत्री ने संसद में इन्हीं किसान नेताओं को 'आन्दोलनजीवी' बताया तो किसी मंत्री ने 'आन्दोलनजीवी' से भी एक क़दम आगे बढ़कर आंदोलनकारी किसानों को 'मवाली ' भी बताया। हरियाणा के मुख्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तो अपनी पार्टी से जुड़े किसानों को उकसा कर उन्हें लठ्ठ धारण कर आंदोलनकारी किसानों का मुक़ाबला करने की बात तक कही । बाक़ी [illegible] नक्सल,ख़ालिस्तानी,विपक्ष के हाथों की कठपुतली,लाल क़िले पर तिरंगे का अपमानकर्ता, विदेशी फ़ण्डिंग से चलने वाला आंदोलन आदि न जाने क्या क्या उपाधियाँ पहले ही दे डाली थीं।

परन्तु झूठ,अहंकार और साज़िश चूँकि कभी स्थायी विजय नहीं पा सकते। जीत भले ही देर से हो परन्तु अंततोगत्वा जीत सच्चाई,विनम्रता और बलिदान की ही होती है। वही अन्नदाताओं के इस आंदोलन के साथ भी हुआ। ऐसे में यह सवाल ज़रूरी है कि क्या सरकार को इन्हीं 'आन्दोलनजीवियों ' व 'ख़ालिस्तानियों', 'देश विरोधियों' व 'मवालियों' के आगे झुकना पड़ा ? या फिर सरकार ने यह मान लिया कि वास्तव में यह मवाली या ख़ालिस्तानी नहीं बल्कि यह 'देश का अन्नदाता' है ? धरनास्थल पर लगभग 700 किसानों की क़ुर्बानी देने के बाद किसानों ने जो जीत हासिल की है,जिस तरह ठिठुरती ठण्ड,बारिश,भयंकर गर्मी के बीच आंदोलनकारी किसानों उनके बुज़ुर्गों व महिलाओं ने दिन रात धरना स्थल पर बैठकर आंदोलनकारियों व सभी आगंतुकों की सेवा सत्कार करते हुये आंदोलन में फ़तेह हासिल की है उसकी दूसरी मिसाल दुनिया में कहीं नहीं मिल सकती।

गोदी मीडिया को किसान आंदोलन अराजक,राष्ट्र विरोधी और दिल्ली में लोगों का रास्ता रोके बैठे विपक्षी दलों द्वारा उकसाये जाने वाले मुट्ठी भर किसानों का ही आंदोलन नज़र आया क्योंकि उसकी आँखों पर बेशर्मी का पर्दा पड़ा था। अन्यथा वास्तव में यह आंदोलन कई राज्यों में जगह जगह फैला हुआ था। विपरीत मौसम की परवाह किये बिना पूरे वर्ष किसानों के शिक्षित बच्चे विभिन्न शहरों के मुख्य चौराहों पर सारा दिन खड़े होकर कृषि क़ानूनों के ख़िलाफ़ प्रदर्शन करते तथा जनसमर्थन जुटाते। चंडीगढ़ सहित अनेक शहरों में किसानों के परिजन 'न्द ईंसी-न्द दिद्' की तख़्तियां लेकर रेड लाइट पर खड़े होते और लोगों से अपने वाहनों का हॉर्न बजाकर समर्थन मांगते। यह सिलसिला पूरे वर्ष सैकड़ों शहरों व क़स्बों में चला। परन्तु गोदी मीडिया पर सत्ता की चाटुकारिता का ऐसा नशा सवार था और अभी भी है कि उसे किसानों व उनके परिजनों का यह संघर्ष व क़ुर्बानी कभी नज़र नहीं आयी।

दिल्ली की सीमाओं से किसानों की 'घर वापसी ' की चर्चा वैसे तो 19 नवंबर को प्रधानमंत्री की कृषि क़ानून वापसी की घोषणा के बाद ही शुरू हो गयी थी। परन्तु किसानों ने इसे संसद में वापस लेने व अपनी अन्य मांगें मनवाने की प्रतीक्षा की और 11 दिसंबर को आधिकारिक रूप से सरकार को अपनी मांगों व समझौतों संबंधित कुछ चेतावनियां देकर धरनास्थल से हटने की घोषणा की। जिस तरह दुनिया ने इस आंदोलन की गंभीरता,इसमें शामिल किसानों के जुझारूपन को तथा किसानों की मांगों की गंभीरता को देखा ठीक उसी तरह यह किसान अपनी मांगें मनवाकर दिल्ली की सीमाओं से भी 'फ़ातेह ' अथवा 'विजेता' बनकर घर वापस लौटा। जिस धैर्य व साहस से अन्नदाताओं ने एक वर्ष दुःख तकलीफ़ व परेशानियां झेलीं, अपने साथ रोज़ाना दिल्ली द्वार पर बैठकर लाखों ग़रीबों व ज़रूरतमंदों को तीनों समय का भोजन उपलब्ध कराया व तरह तरह के पकवान आम लोगों को बनाकर खिलाये ज़ाहिर है उन लाखों लोगों की दुआएं भी इन अन्नदाताओं के साथ थीं।

कृषि क़ानूनों की वापसी के बाद दिल्ली से पंजाब-हरियाणा-राजस्थान-उत्तर प्रदेश की ओर अपने घरों-खेतों की ओर वापस जाने वाले किसानों का सैकड़ों किलोमीटर लंबे रास्तों में जिस तरह पूरे रास्ते आम लोगों ने स्वागत किया वह दृश्य अत्यंत भावुक था। प्रत्येक रास्तों में जगह जगह फूल वर्षा की गयी,ढोल नगाड़े बजे,पूरे रास्ते मिठाइयां बांटी गयीं,कुछ जगहों पर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। पंजाब के किसान नेताओं की वापसी की ही तरह राकेश टिकैत भी जब ग़ाज़ीपुर बार्डर से आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर वापस गये तो उनका भी एक 'विजेता' के रूप में भव्य स्वागत किया गया। जगह जगह आतिशबाज़ियाँ छोड़ी गयीं। ज़ाहिर है यह टिकैत के 'भावुकतापूर्ण आंसुओं' की जीत तो थी ही साथ ही उनके इस संकल्प की भी जीत थी जिसमें टिकैत कहा करते थे कि 'मैं रोटी को पूंजीपतियों की तिजोरी में बंद नहीं होने दूंगा '।

ज़ाहिर है प्रधानमंत्री ने जिस अंदाज़ में क़ानून वापसी की घोषणा की और क़ानून वापसी की घोषणा में जिन शब्दों का चयन किया उससे भी यह स्पष्ट है कि सरकार अब भी इस बात पर अड़ी है कि क़ानून तो अच्छे थे,किसानों के हित में थे परन्तु सरकार 'कुछ लोगों को' समझा नहीं सकी'। यह भी समझ से परे था कि सरकार ने इन 'किसान हितैषी' क़ानूनों को वापस लेते समय भी इन पर संसद में चर्चा क्यों नहीं कराई ? ज़ाहिर है पूर्ण बहुमत की अड़ियल व पूंजीपतियों की खुले तौर पर हितैषी यह सरकार जिसने साम-दाम-दण्ड भेद सभी उपाय किसानों पर आज़मा डाले परन्तु सरकार को आख़िरकार किसानों की एकता व एकजुटता के समक्ष घुटने टेकने ही पड़े। कहना पड़ेगा कि किसान विरोधी क़ानून वापसी के बाद दिल्ली से यूँ ही 'विजेता' बनकर नहीं लौटे हैं ये 'आंदोलनजीवी '। (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

हींग लगे न फिटकरी....! - सरकारी धन से चुनाव प्रचार की रीति.... कहाँ तक ठीक....?

आपको याद होगा प्रसिद्ध विचारक अब्राहम लिंकन द्वारा रचित प्रजातंत्र की वह परिभाषा जिसमें 'प्रजा' को अहम् बताते हुए कहा गया था- ''सरकार जनता की, जनता के लिए और जनता के द्वारा'' (गवर्तमेंट ऑफ द पिपुल, फॉर द पिपुल एण्ड ऑफ द पिपुल)। किंतु मौजूदा राजनीति ने इस परिभाषा को बदलकर 'जनता' (पिपुल) की जगह 'सत्ता' को बैठा दिया है, अर्थात् अब प्रजातंत्र की परिभाषा ''सरकार सत्ता के लिए, सत्ता के द्वारा और सत्ता की'' हो गई है, अब प्रजातंत्र से 'प्रजा' को लोप हो गया है और 'तंत्र' सत्ता का सेवक बनकर रह गया है, यहाँ 'सत्ता' से मतलब स्वार्थ की राजनीति से है। आज की राजनीति का एक मात्र लक्ष्य 'जनसेवा' नहीं, सिर्फ और सिर्फ 'सत्ता' रह गया है। अर्थात् आज की सरकारें जितने भी जनसेवा का नबाक ओढ़कर कार्य करता है, वे सब स्वार्थपूर्ण राजनीति व सत्ता की चासनी में लिपटे होते है। जनता से करों के रूप में वसूली गई भारी धनराशि से जितने भी कथित विकास कार्य किये जा रहे है उन विकास कार्यों के पीछे भी 'जनसेवा' कम राजनीतिक 'ढ़िंढोरा' ज्यादा होता है, फिर वे चाहे हजारों किलोमीटर की सड़कों के निर्माण हो या अन्य कोई कार्य और अब तो यह रीत ही बन गई है कि जनता से एकत्र सरकारी धन ऐसे कार्यों पर खर्च करो जिनसे राजनीतिक स्वार्थ सिद्धी ज्यादा हो, फिर चाहे वे जनता के लिए उपयोगी हो या नहीं?

....और अब तो उत्तरप्रदेश ने कुछ ऐसी स्वार्थ सिद्धी की पवित्र नदियों के नाम पर राजपथ निर्माण की ऐसी आंधी चलाई कि वह सभी भाजपाशासित राज्यों में तेजी से फैलती जा रही है, उत्तरप्रदेश में 'गंगा' के नाम पर तो मध्यप्रदेश में 'नर्मदा' के नाम पर लम्बे राजपथ तैयार किये जा रहे है।

यह तो हुई जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी की चर्चा, अब यदि मौजूदा राजनीति को प्रजातंत्र के अन्य मूल सिद्धांतों की कसौटी पर कस कर देखें तो हमें हर तरफ निराशा ही निराशा महसूस होने लगती है। निराशा का मूल कारण अब राज कार्यों में राजनीतिक स्वार्थ की मात्रा अधिक होना व जनसेवा का अंश कम होना है।

आज हर कहीं यही देखने को मिलता है कि जिस भावना से चुनाव लड़े जाते है और जिस अपेक्षित भावना से जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है दोनों तत्वों के बीच सोच-समझ का काफी अंतर पैदा हो गया है, चुनावी घोषणा-पत्र अब सिर्फ जनता को आकर्षित करने के माध्यम ही बनकर रह गए है न इन घोषणा-पत्रों की घोषणाओं को मूर्तरूप मिल पाता है और न लाखों मतदाताओं के सामने किये गए वादें ही पूरे हो पाते है, पांच सालों के साढ़ महीनों में एक या दो महीने जनता (मतदाता) की पूछ-परख के होते है, बाकी अट्ठावन महीनें मतदाता ही याचक बने रहने को मजबूर होता है, यह भी आजकी आम राजनीति का मुख्य चलन बन गया है। यह बात मैं किसी राजनीतिक दल विशेष के बारे में नहीं बल्कि राजनीति के पूरे 'कुएँ' में घोली गई 'स्वार्थ' की 'भाँग' की बात कर रहा हूँ।

आज सत्ता प्राप्ति तक सत्ता हथियाने के हथकंड़ों पर जोर दिया जाता है और सत्ता का सिंहासन प्राप्त होने के बाद इस सिंहासन को 'दीर्घजीवी' बनाने के जोड़-तोड़ शुरू हो जाते है और यह प्रक्रिया अगले चुनाव होने तक अनवरत जारी रहती है और इन्हीं प्रयासों या जोड़-तोड़ की 'धुंध' में 'जनसेवा' का लोप हो जाता है, आज की राजनीति की यही त्रासदी है। आज शासन की सेवा करने वाला आम सरकारी मुलाजिम अपनी जिन्दगी के तीन दशक पूरे आत्म समर्पण भाव से सरकार को सौंपने के बाद भी उसे शेष जिन्दगी गुजारने के लिए वे सब संसाधन नहीं मिल पाते जो महज पांच साल सरकार में अहम पदों पर रहकर लूटमार करने वाले राजनेताओं को मिल जाते है, सेवा करने और सेवा का ढ़िंढोरा पीटने वालों के बीच आज के प्रजातंत्र में यही मूल अंतर है, क्या यही सब दिखाने के लिए हमारे पूर्वज शहीदों ने अपना सर्वस्व लुटाकर आजादी प्राप्त की थी, अभी देश की जनता की इस दिशा में 'तंद्रा' टूटी नहीं है, जिस दिन जनता जागृत हो जाएगी तो फिर क्या होगा? कल्पना से परे है? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 21 दिसंबर

1788 सिंधिया ने गुलाम कादिर को पकड़कर मौत के घाट उतार दिया.

1846 राबर्ट लिस्टन ने लंदन के अस्पताल में पहली बार बेहोशी की दवा देकर ऑपरेशन कर एक व्यक्ति का पैर काटा.

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीकी टैंक कमांडर जनरल जार्ज पैटन का निधन.

1952 सैफुद्दीन किचलू को लेनिन शांति पुरस्कार मिला.

1960 शाह सऊद ने सऊदी अरब का प्रशासन अपने हाथ में ले लिया.

1963 क्रिकेट के महान खिलाड़ी इंग्लैंड के सर जैक हाब्स का निधन.

1968 अमरीकी अपोलो-8 का प्रक्षेपण केप कैनवरेल से किया गया.

1972 पश्चिम और पूरबी जर्मनी के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए.

1973 इसरायल और अरब देशों के बीच शांति सम्मेलन जेनेवा में हुआ.

1975 छापामारों ने ओपेक मुख्यालय विएना पर हमला कर ग्यारह देशों के तेल मंत्रियों और उनके सहयोगियों को बंधक बना लिया.

1979 लंदन सम्मेलन के बाद रोडेशिया स्वतंत्र जिम्बाब्वे बना.

1988 लाकर्बी (स्काटलैंड) के आसमान में पेनएम विमान में विस्फोट से 259 यात्रियों के अलावा जमीन पर भी 11 व्यक्ति मारे गए.

1989 रोमानिया के राष्ट्रपति निकोलाई चासेस्कू ने देश के एक हिस्से में आपातस्थिति की घोषणा की.

1990 अल्बानिया में सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन की मूर्ति तोड़ डाली गई.

1992 पुर्तमान में हुई डच विमान दुर्घटना में 54 यात्री मारे गए.

1995 मिस्र में दो रेलगाड़ियों में टक्कर से 75 व्यक्ति मारे गए.

1999 वेनेजुएला में लगातार जारी प्रलयंकारी वर्षा से बाढ़ का स्थिति 15 से 25 हजार लोगों की मृत्यु.

2002 बैंगलूर एक्सप्रेस आंध्रप्रदेश में पटरी से उतरी. 20 मरे व 87 घायल.

रेगुलर एक्सरसाइज से ही शरीर को होता है फायदा

-ये दावा अमेरिका के सीनियर साइंटिस्टों द्वारा ?किए गए अध्ययन में ?किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। रेगुलर एक्सरसाइज से ही शरीर को फायदा होता है। लेकिन क्या करें, रूटीन ही नहीं बन पाता है। लेकिन लोगों को जिम जाने के लिए भी रिवॉर्ड मिले तो शायद वो वर्कआउट करने के लिए ज्यादा प्रेरित होंगे। अगर यह रिवॉर्ड पैसे से जुड़ा हो तो यह और भी फायदेमंद होगा। ये उन लोगों पर भी असरकारी होगा जिन्होंने वर्कआउट रेजिम यानी वर्कआउट का दौर बीच में ही छोड़ दिया हो। ये दावा अमेरिका की 115 अलग-अलग यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाले 30 सीनियर साइंटिस्टों द्वारा की गई एक मेगास्टडी में किया गया है।

दरअसल विशेषज्ञों के सामने लंबे समय से ये चुनौती रही है कि लोगों को वर्कआउट के लिए प्रेरित कैसे करें। महामारी के बाद तो ये समस्या ज्यादा बढ़ गई।लोगों को ज्यादा से ज्यादा वर्कआउट के लिए प्रेरित करने हेतु 61 हजार 293 अमेरिकियों के साथ बड़े पैमाने पर स्टडी की गई। इसमें प्रतिभागियों को टैक्स मैसेज, ईमेल के जरिए अलर्ट, जिम के यूज के लिए मुफ्त ऑडियोबुक, (जिससे कि वर्कआउट को और एंटरटेनिंग बनाया जा सके) पैकेज के अलावा एक्स्ट्रा डेज की जिम विजिट जैसे प्रलोभन दिए गए। इसके लिए एक 'स्टेप अप' प्रोग्राम बनाया गया। जिसके तहत 61 हजार प्रतिभागियों को साइंटिस्टों ने 53 ग्रुप्स में बांटा था।

यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल में ह्यूमन बिहेवेरियल साइंस की स्पेशलिस्ट कैथरीन एल मिल्कमैन के अनुसार, 'अभी तक हुई स्टडीज से ये पता नहीं चल सका था कि कौन से उपाय कारगर होंगे, छुटे हुए वर्कआउट के दौर में वापस लौटने के लिए प्रतिभागियों को 22 सेंट (16 रु) रिवॉर्ड प्वाइंट दिए गए तो जिम विजिट में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और वर्कआउट में 27 फीसद की बढ़ोतरी हुई। साइंटिस्टों के विभिन्न प्रोग्राम्स के जरिए वीकली जिम विजिट में 9 से 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।'व्हार्टन स्कूल की प्रोफेसरएंजेला डकवर्थ का कहना है, 'इस स्टडी के निष्कर्ष हमें इनसाइट देते हैं कि हम आने वाले समय में कैसे अपने वर्कआउट रिजोल्यूशन को मजबूत रख सकते हैं। इसके अलावा नए साल में वाजिब वर्कआउट प्रोग्राम बनाएं। फोन में ट्रेनर या जिम बडी के साथ रिमाइंडर सेट करें। प्लान के मुताबिक वर्कआउट करने पर खुद को छोट-छोटे रिवॉर्ड दें। ताकि जब भी हम रूटीन तोड़ें तो हमें अहसास हो।

साथ ही हम उसकी भरपाई में जुट जाएं।' मालूम हो ?कि आजकल के लाइफस्टाइल में पूरे दिन का शेडयूल इतना बिजी रहता है कि लोगों को सेहत की तरफ ध्यान देने का वक्त ही नहीं मिलता। एक दो दिन सैर पर या फिर हफ्ते में एक दो बार जिम जाना ही काफी नहीं है।

शब्द पहेली - 7143

बाएँ से दाएँ

1.ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3.आसमान, गगन-3
5.निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8.रात्रि, निशा-2
10.सिलना, छाती
11.नश, नाड़ी-2
13.एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15.इसे आंखों में लगाते हैं-3
16.प्रभाव-3
17.समीप, पास, नजदीक-3
19.भगवान, खुदा-2
20.जानवर इसे खाते हैं-2
21.होठ, अधर-2
23.लूटपाट, डाका-4
25.प्रकार-3
26.बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1.चिंगारी, अंगारा-3
2.मस्ती में चूर-2
3.इज्जत, साख-2
4.तलवार (उर्दू-4)
6.रसदार, रस से भरा-3
7.मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9.सब्जी, भाजी-4
13.कमी-3
14.अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17.अचरज भरा कार्य-4
18.वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20.चाहत, प्रेम-2
22.ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23.रास्ता, डगर-2
24.एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली - 7142 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

प्रो कबड्डी लीग में यूपी योद्धा और बंगाल वारियर्स में होगा पहला मुकाबला

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रो कबड्डी लीग बुधवार 22 दिसंबर से बेंगलुरु में शुरु होगा। यह मुकाबले खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। पीकेएल में इस बार 12 टीमें भाग ले रही हैं। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी अगस्त में हुई थी। इसमें सबसे महंगे खिलाड़ी रेडर प्रदीप नरवाल यूपी योद्धा की कप्तानी कर रहे है। उन्हें प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) की नीलामी में 1.65 करोड़ रुपये में खरीदा गया है। इस प्रकार वह इस लीग में सबसे बड़ी कीमत हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं। नरवाल ने पांच सत्र तक पटना पायरेट्स की ओर से खेला है।

प्रो कबड्डी लीग के लीग का पहला मुकाबला बंगाल वारियर्स और यूपी योद्धा के बीच होगा। यह मैच 22 दिसंबर 2021 रात 9:30 बजे खेला जाएगा। यूपी योद्धा ग्रेटर नोएडा में स्थित एक प्रो कबड्डी टीम है। इस टीम को पांचवें सत्र में पेश किया गया था और तब से यह सभी लीगों का हिस्सा रही है। यह टीम 2017 सीजन में प्लेऑफ में पहुंची थी. यूपी योद्धा सबसे सफल टीमों में से एक है, जिसका मालिकाना अधिकार जीएमआर ग्रुप के पास है।

यूपी योद्धा ने रिकॉर्ड 1.65 करोड़ रुपये में प्रदीप नरवाल की सेवाएं हासिल करने में सफलता हासिल की, जिससे वह दूसरे सबसे महंगे गैर-क्रिकेट एथलीट बन गए है. वह निस्संदेह 2014 में आने के बाद से 107 खेलों में 1,160 रेड अंक हासिल करने के बाद से लीग के सबसे बड़े रेडरों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2016-2017 से लगातार पटना पायरेट्स के लगातार तीन खिताब जीतने में मदद की थी। जिसमें सीजन 5 में रिकॉर्ड 8-पॉइंट रेड शामिल हैं. यह एक ऐसा कारनामा जो अभी भी बेजोड़ है।

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 275 रनों हराया

एडिलेड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने मेहमान टीम इंग्लैंड को एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी 275 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-0 से आगे हो गयी है। गाबा में हुए पहले टेस्ट में भी मेजबान टीम जीती थी। एडिलेड में हुए दिन-रात्र के इस दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाज 468 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये और अपनी दूसरी पारी में 192 रनों पर ही आउट हो गये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए। इसके अलावा नाथन लायन और मिचेल स्टार्क ने भी 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुसेन की शानदार बल्लेबाजी से अपनी पहली पारी सात विकेट पर 473 रनों पर घोषित कर दी थी जबकि इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 236 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रकार 237 रनों की बढ़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बावजूद मेजबान टीम ने इंग्लैंड को फॉलोऑन नहीं देते हुए दूसरी पारी नौ विकेट पर 230 रन बनाकर घोषित कर दी थी। इंग्लैंड की टीम 468 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही पिछड़ गयी। चौथे दिन उसने 82 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। पांचवें और अंतिम मेहमान टीम का कोई भी बल्लेबाज कंगारु गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाया और पहले सत्र में ही उसने बचे हुए विकेट खो दिये।

ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ओली पोप ने अंतिम दिन पारी को आगे बढ़ाना शुरु किया पर पोप ज्यादा देर टिक नहीं पाये। पोप के रूप में टीम को 5वें दिन पहला झटका लगा और फिर इसके बाद 57वें ओवर में स्टोक्स भी पेवेलियन लौट गए। स्टोक्स ने केवल 12 रन ही बनाये। इसके बाद जरूर क्रिस वोक्स ने जोस बटलर के साथ पारी संभालने का प्रयास किया पर झाय रिचर्डसन ने वोक्स को आउट कर इस उम्मीद को भी तोड़ दिया। वोक्स 44 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ओली रॉबिन्सन भी 8 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। बटलर लंबे समय तक खेलकर 26 रन पर हिट विकेट हो गए। उन्होंने 207 गेंद खेलीं।

आईपीएल मेगा नीलामी फरवरी के पहले साल में होगी !

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 संस्करण के लिए मेगा नीलामी अगले साल फरवरी के पहले सप्ताह में हो सकती है। आईपीएल का ये सत्र देश में ही खेला जागा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल गवर्निंग काउंसिल फरवरी के पहले सप्ताह में इस नीलामी को आयोजित करेगी। यह नीलामी भी पहले की तरह ही दो दिवसीय होगी। गवर्निंग काउंसिल ने पहले ही सभी टीमों को पहले ही सभी प्रकार की जानकारी दे दी है। आईपीएल में सीवीसी स्पोर्ट्स एसोसिएशन पर अंतिम निर्णय में हो रही देरी के कारण ही बोर्ड अभी तक नीलामी के लिए तरीखें नहीं तय कर पाया है।

आईपीएल के नये सत्र में आठ की जगह दस टीमें उतरेंगी। ऐसे में दो नई टीमों के शामिल होने से यह नीलामी पहले से बड़ी रहेगी। बैंगलोर और हैदराबाद में स्क्रीनिंग प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से अच्छी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेगा नीलामी-इवेंट इन दोनों शहरों में से किसी एक में होगी। इस प्रकार मेगा नीलामी फरवरी 2022 के पहले सप्ताह में कहीं भी हो सकती है।

अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ी जिसे सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने 5625 करोड़ रुपए में खरीदा था, को अभी तक बीसीसीआई से आशय पत्र नहीं मिला है। इसी कारण नीलामी में देरी हो रही है।

जापान को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

ढाका (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरूष हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मंगलवार को जापान पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी क्योंकि पिछले राउंड रॉबिन मैच में जापान के खिलाफ मिली 6-0 की जीत से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। अब भारतीय टीम यह मैच जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेगी।

पांच देशों के इस टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण में भरतीय टीम के अभी अंक है, वहीं छह अंक लेकर कोरियाई टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं जापान और पाकिस्तान के पांच पांच अंक है जबकि मेजबान बांग्लादेश अभी खाता भी नहीं खोल पायी है। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि पहले मैच में बढ़त के बाद उसे दक्षिण कोरिया ने 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था। इसके बाद भारत ने दूसरे मैच मेंबांग्लादेश को 9-0 से और तीसरे मैच में पाकिस्तान को 3-1 से हराया। इसके बाद जापान को ली लीग मुकाबले में भारत ने हराया

भारतीय टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जापान के खिलाफ लीग मुकाबले में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए थे। वहीं मिडफील्ड में मनप्रीत और हार्दिक सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया था। अब तक दिलप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, आकाशदीप सिंह और शमशेर सिंह ने भी कुछ अच्छे फील्ड गोल किए हैं। भारत ने लीग मैच में जापान को हर विभाग में पीछे किया है। अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में भी उसी प्रकार का प्रदर्शन करने उतरेगी। भारतीय टीम के युवा गोलकीपर सूरज करकेरा ने अभी तक शानदार प्रदर्शन कर कई गोल रोके हैं।

क्या आर अश्विन ब्रेक कर पाएंगे मुरलीधरन के 800 टेस्ट विकेट लेने रिकॉर्ड?

-भारतीय गेंदबाज ने खुद दिया जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 800 विकेट लेने का कार्तिमान श्रीलंका के शीर्ष गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज है। हर गेंदबाज का सपना उनके रिकॉर्ड तक पहुंचना या उससे भी आगे निकलने का होता है। एक इंटरव्यू में मुरलीधरन ने खुद कहा था कि उनके इस रिकॉर्ड को कौन गेंदबाज तोड़ सकता है। मुरलीधरन ने आर अश्विन का नाम लिया था। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाज आर अश्विन उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। अब आर अश्विन ने उनके रिकॉर्ड तोड़ने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपने यूटयूब चैनल पर अश्विन ने कहा कि इस तरह के बयान के लिए मैं मुरलीधरन का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने मुझसे भी कई बार इसका जिक्र किया। जब एक बार मैं चोटिल हुआ था तो उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मुझे भी ऐसी चोट लगी थी, इसीलिए अपना ख्याल रखना। अश्विन ने आगे कहा कि हमारे बीच हमेशा ही अच्छा जुड़ाव रहा है। वो एक अच्छे इंसान हैं। अगर उन्होंने ऐसा कहा है तो मैं शुक्रगुजार हूं, मगर 800 विकेट का लक्ष्य पहुंच से काफी दूर है। अश्विन ने कहा कि सभी को उम्मीद है कि मैं इस उपलब्धि को हासिल करूं, मगर ये दूर है और मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से आर अश्विन को टीम से बाहर कर दिया था, इस पर उन्होंने कहा कि बाहर होना भी प्रेरित करता है। इसलिए यदि आपको बाहर किया जाता है तो आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और टीम में जल्दी वापसी करनी होगी। आर अश्विन फिलहाल साउथ अफ्रीका दौरे पर है, जहां भारत को मेजबान के साथ 3 टेस्ट और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर को सेंचुरियन में खेला जाएगा।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका : विराट के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका

(नई दिल्ली) भारत बनाम साउथ अफ्रीका : विराट के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका (ईएमएस)। टीम इंडिया 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगी। इस बार टीम इंडिया के पास विराट कोहली की अगुवाई में स्वर्णिम कीर्तिमान रचने का अवसर है। भारतीय टीम पहली बार 1992 में अफ्रीका के दौरे पर गई थी। पिछले 29 सालों में भारत ने अफ्रीका की धरती पर सात टेस्ट सीरीज खेला लेकिन विजेता बनने में असफल रहा। भारत के धाकड़ कप्तान रहे सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी भी वहां टेस्ट सीरीज जीतने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका को उसी की सरजमीं पर हराना टेढ़ी खीर है लेकिन विराट इतिहास बदल सकते है।

अफ्रीकी टीम इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रही है। 2013 के बाद पहली बार घर पर अफ्रीकी टीम को हाशिम अमला, एबी डिविलियर्स और फाफ डु प्लेसी की कमी महसूस होगी। इन तिकड़ी ने देश-विदेश में अफ्रीका को कई टेस्ट में जीत दिलाने के अलावा कई बार हार से भी बचाया है। अमला, डिविलियर्स और डु प्लेसी ने घर पर एक साथ 24 टेस्ट मैच खेला है जिसमें 17 बार अफ्रीकी टीम अपराजेय रही। एबी डिविलियर्स के संन्यास लेने से पहले अफ्रीकी टीम ने न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और भारत को दो-दो बार जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक बार टेस्ट सीरीज में मात दी। अफ्रीका की तेज गेंदबाजी अब भी बेहतरीन है। उसके पास कगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्किया और लुंगी एनगिडी जैसे घातक गेंदबाज हैं जो उछाल और स्विंग लेती पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेंगे।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी कमजोर नजर आ रही है। टीम के कप्तान डीन एल्गर का भारत के खिलाफ औसत 33 का है। वहीं उप कप्तान तेम्बा बावुमा और स्टार बल्लेबाज क्विंटन डि कॉक भारत के खिलाफ 19 की औसत से ही रन बना सके हैं। हाल के दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले एडेन मार्करम का तो और बुरा हाल है। वहीं रासी वैन डर डुसेन ने भारत के खिलाफ अब तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसके अलावा पहले टेस्ट मैच के बाद डिकॉक व्यक्तिगत कारणों से भारत के खिलाफ सीरीज के आखिरी दो टेस्ट नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया के पास जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, ईशांत शर्मा और मोहम्मद सिराज जैसे कहर ढाने वाले गेंदबाज है। अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा चोटिल होने की वजह से सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन 7वें नंबर पर ऑलराउंडर की भूमिका निभा सकते हैं। वहीं भारत 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है।

सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत साल 2001 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गया था। हालांकि उसे दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने दो बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया है। धोनी की कप्तानी में पहली बार साल 2010-11 में भारतीय टीम अफ्रीका की धरती पर टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रही। धोनी की कप्तानी में भारत ने दूसरी बार 2013-14 में अफ्रीका का दौरा किया। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हार मिली। भारत ने तीन साल पहले विराट कोहली की कप्तानी में आखिरी बार अफ्रीका का दौरा किया था। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा।

चिली- राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी गेब्रियल बोरिक ने 56 फीसदी मत हासिल कर विजय पाई

सैंटियागो (ईएमएस)। चिली में संपन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी नेता गेब्रियल बोरिक ने 56 फीसदी मत हासिल कर शानदार जीत दर्ज की है उन्होंने दक्षिणपंथी नेता जोस एंतोनियो को मात दी। जोस ने परिणाम स्पष्ट होने के तुरंत बाद अपनी हार स्वीकार की और ग्रेबियल को फोन कर जीत की बधाई दी। इसके बाद वह स्वयं ग्रेबियल के चुनाव प्रचार कार्यों से जुड़े मुख्यालय गए और अपने प्रतिद्वंद्वी से मुलाकात भी की। इस बीच, निवर्तमान राष्ट्रपति सेबास्टियन पिन्येरा ने ग्रेबियल के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और सत्ता हस्तांतरण के दौरान उनकी सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। समर्थकों की भारी भीड़ के बीच ग्रेबियल एक मंच पर पहुंचे और वहां से उन्होंने स्वदेशी 'मापुचे' में हजारों युवा समर्थकों के लिए एक उत्साहजनक विजयी भाषण दिया।

उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसी पीढ़ी हैं जो सार्वजनिक जीवन में पली-बढ़ी है और मांग करती है कि हमारे अधिकारों का सम्मान अधिकारों के रूप में किया जाए न कि वस्तुओं या व्यवसाय की तरह। हम जानते हैं कि अमीरों और गरीबों के लिए न्याय जारी रहेगा....साथ ही अब हम सुनिश्चित करेंगे कि चिली के गरीबों को असमानता की कीमत ना चुकानी पड़े।'' उन्होंने चिली की महिलाओं की भी हौसला-अफजाई की और वादा किया कि वे उनकी सरकार में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगी, जिससे कि 'समाज की सभी तरह की पितृसत्तात्मक सोच को हमेशा के लिए पीछे छोड़ने में मदद मिलेगी।

ब्रिटेन का अध्ययन:ओमीक्रोन के डेल्टा से कम भयावह होने का साक्ष्य नहीं

-ओमीक्रोन टीके की दोनों खुराकों की प्रतिरक्षा को बड़े पैमाने पर चकमा देता है

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, इस बारे में कोई सबूत नहीं है कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप, डेल्टा स्वरूप की तुलना में कम भयावह है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि नया स्वरूप (ओमीक्रोन) पिछले संक्रमण या टीके की दोनों खुराकों से मिली प्रतिरक्षा को बड़े पैमाने पर चकमा देता है। ब्रिटेन में इंपीरियल कॉलेज लंदन के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया कि ओमीक्रोन स्वरूप से फिर संक्रमित होने का जोखिम डेल्टा स्वरूप की तुलना में 5.4 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि पिछले संक्रमण से मिली सुरक्षा को ओमीक्रोन 19 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

अध्ययन के लेखकों ने कहा, ''अध्ययन में ओमीक्रोन के डेल्टा स्वरूप से कम गंभीर होने के कोई साक्ष्य नहीं पाए गए, चाहे क्यों न यह जांच में संक्रमित पाए जाने वाले लोगों के अनुपात के आधार पर हो, जो लक्षणों की जानकारी देते हैं, या संक्रमण के बाद अस्पताल में देखभाल करने वाले मामलों के अनुपात के आधार पर तय किए गए हों।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, अस्पताल में भर्ती होने संबंधी आंकड़े इस वक्त बहुत कम हैं।'' अध्ययन में इंग्लैंड में सभी पीसीआर जांच से पुष्टि किए गए सार्स-कोवी-2 के सभी मामलों के डेटा का उपयोग किया गया, जिनकी 29 नवंबर और 11 दिसंबर, 2021 के बीच कोविड-19 की जांच की गई थी। अनुसंधान में 'एस जीन टार्गेट फेल्यर' (एसजीटीएफ) के कारण ओमीक्रोन से संक्रमित होने वाले लोगों के साथ-साथ वे लोग शामिल थे, जिनमें जीनोटाइप डेटा के साथ ओमीक्रोन संक्रमण की पुष्टि हुई। यह अध्ययन अभी प्रकाशित होना है।

पाकिस्तान- खैबर पख्तूनख्वा स्थानीय चुनाव में इमरान खान की पार्टी को झटका

पख्तूनख्वा (ईएमएस)। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्थानीय चुनाव मतगणना में कई जिलों में पराजय का सामना करना पड़ रहा है जबकि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) बढ़त बनाए हुए है। खैबर पख्तूनख्वा के 17 जिलों में रविवार को मतदान हुआ। प्रांत में छह साल के अंतराल के बाद यहां चुनाव कराये गए। मतगणना सोमवार सुबह से शुरू हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 63 तहसील परिषदों के मेयर के अनौपचारिक परिणामों के अनुसार जेयूआई-एफ उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे चल रहे है क्योंकि पीटीआई को प्रांत के कुछ हिस्सों में झटका लगा है।

जहां अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) और जमात-ए-इस्लामी पकड़ बनाए हुए है। पेशावर में जेयूआई-एफ उम्मीदवार सात में से तीन परिषद पर बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि पीटीआई और एएनपी दो तहसील में आगे चल रही हैं। स्थानीय चुनाव के प्रथम चरण में हिंसा की कई घटनाएं हुई। हिंसा में पांच लोग मारे गए और कुछ मतदान केंद्रो को नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) को बाजौर में आत्मघाती विस्फोट, बन्नू जिले में मतदान कर्मियों का अपहरण, कारक में झड़प और कोहाट में मंत्री शिबली फराज के वाहन पर हमले जैसी घटनाओं के कारण कुछ क्षेत्रों में चुनाव स्थगित करना पड़ा।

मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पोलैंड में प्रदर्शन

वारसॉ (ईएमएस)। लोकतांत्रिक देश पोलैंड में सत्तारूढ़ दक्षिणपंथी सरकार की प्रेस विरेधी नीतियों के विरुद्ध आमजनता ने बिगुल फूंक दिया है। दरअसल, सरकार द्वारा निशाना बनाए जा रहे अमेरिकी स्वामित्व वाले एक टेलीविजन चैनल के बचाव में और मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए समूचे देश में लोग रविवार को सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों में बुजुर्ग भी शामिल थे, जिन्होंने दशकों पहले देश के साम्यवादी शासन का विरोध किया था और जो इस बात से चिंतित हैं कि जिस लोकतंत्र की स्थापना में उन्होंने मदद की, वह अब खत्म होता जा रहा है। कई नागरिक मानते हैं कि पोलैंड की जनवादी दक्षिणपंथी सरकार देश को पश्चिम सभ्यता से दूर कर रही है और अदालतों पर राजनीतिक नियंत्रण लगाने तथा आलोचनात्मक मीडिया को चुप कराने के प्रयासों के साथ तुर्की या रूस से करीब समझे जाने वाले एक सत्तावादी मॉडल को अपना रही है। मुख्य विपक्षी दल के नेता डोनाल्ड टस्क ने देश के नागरिकों से एकजुटता दिखाने और नेतृत्व बदलने का आह्वान किया। संसद ने डिस्कवरी इंक को पोलैंड के सबसे बड़े टेलीविजन नेटवर्क में अपने नियंत्रण वाले हिस्से को बेचने के लिए मजबूर करने संबंधी एक विधेयक शुक्रवार को पारित किया था, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन किए गए।

पाक सेना चीफ बाजवा ने सऊदी विदेश मंत्री के सामने अलापा कश्मीर राग

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के सेना चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने एक बार फिर कश्मीर राग अलापा और कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान महत्वपूर्ण है। जनरल बाजवा ने यह टिप्पणी सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ एक बैठक के दौरान की। सऊद ने अफगानिस्तान में मानवीय हालात पर आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों के 17वें सत्र से इतर बाजवा से मुलाकात की थी। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि दोनों ने साझा हित, क्षेत्रीय सुरक्षा, अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के मुद्दों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, जनरल बाजवा ने इस बात पर भी जोर दिया कि 'दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए कश्मीर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान आवश्यक है' और दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के मद्देनजर अपने सभी पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध चाहता है।'

भारत ने भी सदैव पाकिस्तान से कहा है कि वह इस्लामाबाद के साथ आतंकवाद और हिंसा मुक्त वातावरण में सामान्य संबंधों की इच्छा रखता है। बाजवा जहां शांति की बात कर रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री इमरान खान भारत की मोदी सरकार के खिलाफ लगातार जहरीले बयान दे रहे हैं। इमरान खान को भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के कारण भारत और पाकिस्तान में परमाणु युद्ध का डर सताने लगा है। उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान भी उतनी ही आक्रामकता से भारत को जवाब देगा। इमरान खान ने कहा कि भारत के लोग संवेदनशील और समझदार हैं लेकिन उन पर राज कट्टरपंथी लोग कर रहे हैं।

पिछले दिनों एक इंटरव्यू में इमरान खान ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि बीजेपी की फासीवादी सरकार भारत और क्षेत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने डर जताया कि बीजेपी की फासीवादी नीतियों के कारण पाकिस्तान और भारत में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे समझ में नहीं आता कि बीजेपी हिंदुओं के जैसे बुद्धिमान राष्ट्र पर कैसे शासन करती है।

नवंबर में घरेलू खुदरा बिक्री नौ प्रतिशत बढ़ी: आरएआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। खुदरा उद्योग संगठन आरएआई ने कहा कि घरेलू बाजार में नवंबर में खुदरा बिक्री महामारी से पहले के स्तर नवंबर 2019 के मुकाबले नौ प्रतिशत बढ़ गई, जो देश में सुधार का संकेत है। हालांकि आरएआई ने कहा कि ओमीक्रोन वेरिएंट के चलते महामारी की तीसरी लहर की आशंका चिंता की वजह है। भारतीय खुदरा संघ (आरएआई) ने अपने खुदरा व्यापार सर्वेक्षण में कहा कि पिछले महीने वृद्धि दर 2020 के इसी महीने की तुलना में 16 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के मुताबिक सभी क्षेत्रों में खुदरा व्यवसायों ने महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले बिक्री में वृद्धि का संकेत दिया है। इस दौरान नवंबर 2019 की तुलना में पश्चिम भारत ने 11 प्रतिशत वृद्धि का संकेत दिया, जबकि यह आंकड़ा पूर्व और दक्षिण भारत में नौ प्रतिशत तथा उत्तर भारत में छह प्रतिशत रहा। आरएआई ने कहा ?कि व्यापार में सुधार हो रहा है और हमें उम्मीद है कि यह रुख कायम रहेगा। हालांकि ओमीक्रोन के चलते तीसरी लहर की चिंताएं हैं, जिससे सतर्कता बरती जा रही है।

12 दिन अंतरिक्ष में बिताकर वापस लौटे जापानी फैशन कारोबारी युसाकु मिजावा

मास्को (ईएमएस)। जापान के एक अरबपति, उनका प्रोडयूसर और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री 12 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सोमवार को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए। वह एक दशक से भी अधिक समय बाद खुद पैसे चुकाकर अंतरिक्ष में जाने वाले पहले पर्यटक हैं। फैशन कारोबारी युसाकु मिजावा, उनके प्रोडयूसर योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुर्किन रूसी सोयुज अंतरिक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह पांच बजकर 20 मिनट पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए थे। वे झेज्काजगन शहर से करीब 148 किलोमीटर दूर दक्षिणपूर्व में सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर कजाकिस्तान में उतरे। मिजावा (46) और उनके 36 वर्षीय प्रोडयूसर 2009 के बाद से खुद पैसे चुकाकर अंतरिक्ष केंद्र जाने वाले पहले पर्यटक हैं।

फिलीपिंस के तूफान से मलेशिया में बाढ़, 16 राज्यों में 30000 से ज्यादा लोग बेघर

क्वालालंपुर (ईएमएस)। फिलीपीन्स में आए तूफान राय का असर मलेशिया में दिख रहा है। मलेशिया में शुक्रवार से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ आ गई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ में रविवार को 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए। देश के 16 राज्यों और संघीय क्षेत्रों में से 8 में बाढ़ का जल स्तर खतरनाक स्तर चला गया है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

मलेशिया में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि देशभर में नदियों में उफान, लैंड स्लाइडिंग और सुनसान सड़कों पर डूबी कारें दिखाई दे रही हैं। वहीं, देश के 15 हाईवे पर आवागमन ठप रहने सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। इससे जरूरी चीजों की कमी होने का खतरा भी पैदा हो गया है।

राजधानी क्वालालंपुर से लगा राज्य सेलांगोर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यह मलेशिया का सबसे अमीर राज्य माना जाता है। यहां 10 हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने कहा कि फंसे हुए लोगों को आश्रय स्थलों तक पहुंचाने में मदद के लिए पुलिस, सेना और दमकल विभाग के 65 हजार से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया गया है। मलेशिया में यह बाढ़ फिलीपिंस में आए राय तूफान के चलते आई है। इससे मलेशिया का सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट क्लैंग पर कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां से शहर क्लैंग की ओर जाने वाली ट्रेन सेवाओं को रोक दिया गया है।

नए साल में आइआरसीटीसी का शानदार रेल टूर पैकेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। नए साल के शुभ आगमन पर महाकाल के दर्शनों के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए आइआरसीटीसी बेहद ही शानदार टूर पैकेज लेकर आया है। इस टूर पैकेज की सबसे खास बात यह है कि इसमें आपको उज्जैन के साथ साथ इंदौर घूमने का मौका भी मिलेगा। इंदौर, खाने के शौकीन लोगों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। इसके साथ ही यह शहर अपने में रानी अहिल्याबाई होल्कर की विरासत को भी संजोए हुए है। इसके अलावा इंदौर के पास ही ओमकारेश्वर और महेश्वर जैसे तीर्थ स्थान भी हैं। आइये जानते हैं इस टूर पैकेज की डिटेल। टूर की शुरुआत पुणे रेलवे स्टेशन से, दोपहर के साढ़े तीन बजे होगी। रात भर की यात्रा के बाद, अगले दिन यात्री सुबह इंदौर पहुंचेंगे। जहां वे हेटल में चेक इन करने के बाद, हिंडोला महल, जहाज महल, मांडू किला, बाज बहादुर पैलेस जैसी जगहों की सैर करेंगे। रात में आराम के बाद, अगले दिन यात्री होटल से चेक आउट करके, महेश्वर मंदिर और ओंकारेश्वर मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके अगले दिन यात्री उज्जैन में, महाकालेश्वर मंदिर, भैरवनाथ मंदिर, संदीपनी मंदिर, हर सिद्धि मंदिर और मंगलनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे। उज्जैन या इंदौर में रात बिताने के बाद, अगले दिन यात्री वापस पुणे लौट जाएंगे। इंदौर और उज्जैन के पांच रात और छह दिन वाले इस पैकेज के लिए आपको 8190 रुपए खर्च करने होंगे।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने और चांदी में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 142 रुपये की गिरावट के साथ ही 47,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,622 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 615 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,280 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,895 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

जानकारों के अनुसार रुपये के मूल्य में सुधार आने के दबाव में दिल्ली में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में 142 रुपये की गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,799 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 22.30 डॉलर प्रति औंस पर लगभग बना हुआ है।

पूर्व अमेरिकी एवं रिपब्लिकन नेता जॉनी इसाकसोन नहीं रहे

अटलांटा, अमेरिका (ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी सीनेटर और दिग्गज रिपब्लिकन नेता जॉनी इसाकसोन का रविवार को निधन हो गया। वह 76 वर्ष थे। जॉनी इसाकसोन के बेटे जॉन इसाकसोन ने प्रेस को बताया कि उनके पिता जब सो रहे थे, तभी उनका तड़के निधन हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि, उनके पिता पार्किंसंस बीमारी से पीड़ित थे, लेकिन उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जॉन ने कहा, 'वह बहुत अच्छे इंसान थे और मुझे उनकी याद आएगी।' जॉनी इसाकसोन के रियल एस्टेट कारोबार ने उन्हें अमीर बनाया और उन्होंने चार दशकों तक जॉर्जिया की राजनीति में योगदान दिया। इसाकसोन ने 17 साल तक सांसद के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने 2019 में राजनीति से संन्यास से लिया था।

फिलीपीन्स में आए तूफान ने 208 लोगों की ली जान, 52 अब भी लापता

मनीला (ईएमएस)। फिलीपीन्स में इस साल के सबसे भीषण तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो गई है और 52 लोग लापता हैं। देश में कई राज्यों और प्रमुख शहरों में संचार एवं बिजली सेवा ठप हो गई है। दक्षिण चीन सागर में शुक्रवार को दस्तक देने से पहले भीषण तूफान में हवाओं की सबसे तेज गति 195 किलोमीटर प्रति घंटा थी और 270 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंके चल रहे थे।

राष्ट्रीय पुलिस के अनुसार, इस दौरान 208 लोग मारे गए हैं, जबकि 52 लोग लापता हैं और 239 लोग घायल हुए हैं। मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई कस्बे और गांवों में संचार ठप होने, बिजली की कटौती और बंद सड़कों के कारण संपर्क टूट गया है। मरने वालों में से कई लोग पेड़ या दीवार गिरने की चपेट में आ गए, कई अचानक आई बाढ़ में डूब गए या भूस्खलन में जिंदा दब गए। पुलिस ने बताया कि नेग्रोस ऑक्सिडेंटल प्रांत में 57 वर्षीय एक व्यक्ति को पेड़ की शाखा से लटका पाया गया और एक महिला हवा में उड़ गई जिससे उसकी मौत हो गई।

दक्षिणपूर्वी प्रांतों में शामिल एवं आंधी की चपेट में सबसे पहले आने वाले, दीनागट द्वीप समूह की गवर्नर अर्लीन बाग-आओ ने कहा 1,30,000 से अधिक आबादी वाले द्वीप प्रांत में 'राय' की क्रूरता तूफान 'हैयान' से भी बदतर थी, जो रिकॉर्ड में सबसे शक्तिशाली और सबसे घातक तूफान में से एक है और जिसने नवंबर 2013 में मध्य फिलीपीन्स को तबाह कर दिया था। बाग-आओ ने कहा छतों, मलबे और कांच के टुकड़ों के उड़ने से कम से कम 14 ग्रामीणों की मौत हो गई और 100 से अधिक अन्य घायल हो गए और दीनागट के क्षतिग्रस्त अस्पतालों में अस्थाई सर्जरी कक्षों में उनका इलाज किया गया। उन्होंने कहा अगर तूफान आने से पहले उच्च जोखिम वाले गांवों से हजारों निवासियों को नहीं निकाला गया होता तो कई और लोग मारे जाते।

कई अन्य तूफान प्रभावित प्रांतों की तरह, दीनागट में बिजली और संचार की आपूर्ति ठप रही और प्रांत में कई निवासियों को भोजन और पानी की आवश्यकता है। बाग-आओ और अन्य प्रांतीय अधिकारियों ने आस-पास के क्षेत्रों की यात्रा की जहां फोन के सिग्नल आ रहे थे, ताकि राष्ट्रीय सरकार से राहत-बचाव प्रयासों में मदद एवं समन्वय मांगा जा सके। मध्य द्वीप प्रांतों में तूफान से 7,00,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनमें 4,00,000 से अधिक लोगों को आपातकालीन आश्रयों में ले जाया गया था।

पूर्व अफगान राष्ट्रपति करजई ने पाक पीएम इमरान के आईएस खतरे वाले बयान का किया खंडन

काबुल (ईएमएस)। तालिबान सरकार के समर्थक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर पूर्व अफगानी राष्ट्रपति हामिद करजई ने निशाना साधा है। करजई ने इमरान के दावों का खंडन करते हुए कहा कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान से आईएसआईएस का खतरा है। बता दें कि इमरान खान ने रविवार को हुई इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की बैठक में कहा था कि आईएसआईएस अफगानिस्तान से पाकिस्तान को धमकी देता है, अफगानिस्तान में स्थिरता जरूरी है। इमरान खान ने ये भी कहा था कि अफगान बार्डर से आईएसआईएस ने पाकिस्तान पर हमले भी किए थे।

खबरों के मुताबिक, इमरान खान के बयान पर करजई ने पलटवार करते हुए कहा कि पाक पीएम के आरोप झूठे हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि आईएसआईएस शुरुआत से ही पाकिस्तान से अफगानिस्तान को धमकी देता रहा है। करजई ने कहा, 'ये आरोप सच नहीं हैं, अफगानिस्तान के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है। असलियत में अफगानिस्तान पाकिस्तान से आईएसआईएस के खतरे का सामना करता रहा है।'

गौरतलब है कि इससे पहले करजई ने पाकिस्तान को काबुल के अंतरराष्ट्रीय मामलों में हस्तक्षेप ना करने की नसीहत दी थी। करजई ने कहा था कि इस्लामाबाद को आतंकवाद या चरमपंथ को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, बल्कि देश के साथ 'नागरिक सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों' के जरिए संबंध स्थापित करने चाहिए। अक्टूबर को एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'पाकिस्तान को मेरा संदेश है कि उन्हें अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।'

बोरों के कम उत्पादन से जूट क्षेत्र को 1,500 करोड़ का नुकसान

कोलकाता (ईएमएस)। खाद्यान्न के भंडारण के लिए जूट से बनी बोरियों का जरूरी मात्रा में उत्पादन नहीं हो होने से जूट क्षेत्र को करीब 1,500 करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ है। जूट के प्रमुख उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल की सरकार और केंद्र के समर्थन के बावजूद जूट से बनी बोरियों की 4.81 लाख गांठें कम पड़ गईं। ऐसी स्थिति में भंडारण निकायों को प्लास्टिक बोरियों का भी इस्तेमाल करना पड़ गया। अनाज के भंडारण में मुख्यत: जूट से बने बोरों का ही इस्तेमाल होता है। जूट उद्योग के मुता?बिक नवंबर और दिसंबर में जूट मिलें अनाज भंडारण में इस्तेमाल होने वाले जूट बोरों की आपूर्ति ठीक तरह से नहीं कर पाईं। यह कमी बोरों की 4.8 लाख गांठों की रही। ?इससे जूट क्षेत्र को 1,500 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। केंद्र की मोदी सरकार ने नवंबर में जूट सत्र 2021-22 में पैकेजिंग के लिए जूट से बने बोरों के इस्तेमाल को अनिवार्य करने वाले मानकों को मंजूरी दी थी। इन मानकों के मुताबिक सारे खाद्यान्नों की पैकिंग जूट के बोरों में की जाएगी जबकि चीनी की 20 फीसदी पैकिंग इन बोरों में करना अनिवार्य होगा। हालांकि तदर्थ सलाहकार समिति ने जूट के बोरों में खाद्यान्न के भंडारण संबंधी मानक को ढीला करने का सुझाव दिया था। एक जूट मिल के मालिक ने कहा कि कच्चे जूट का बाजार भाव 7,200 रुपए प्रति क्विंटल है जबकि जूट आयुक्त ने मिलों के लिए कच्चे माल के तौर पर जूट का भाव 6,500 रुपए प्रति क्विंटल तय किया हुआ है। इस कीमत अंतराल से मिलें जरूरी बोरों का उत्पादन नहीं कर सकीं।

सरकार ने सात कमोडिटी की फ्यूचर ट्रेडिंग पर लगाई रोक

मुंबई (ईएमएस)। देश में लगातार बढ़ रही महंगाई पर प्र?तिबंध लगाने के ?लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने एक आदेश जारी करके कमोडिटी एक्सचेंज पर गेंहू, चना, चावल, सरसो, सोयाबीन, पॉम ऑयल और मूंग के वायदा कारोबार पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। वित्त मंत्रालय ने सेबी को यह आदेश जारी करने के लिए कहा है। सूची में चना, और सरसों के बीज और इसके डेरिवेटिव भी शामिल हैं। इन जिंसों में डेरिवेटिव अनुबंधों को इस साल की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था। पहले से चल रहे अनुबंधों के संबंध में कोई भी नया सौदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और केवल सौदे को पूरा करने की अनुमति होगी। बयान के मुताबिक ये निर्देश एक साल के लिए लागू होंगे। गौरतलब है कि इसी महीने होलसेल महंगाई की दर 14.23 प्रतिशत को पार कर गई थी और महंगाई की इस बड़ी दर में खास तौर पर खाद्य तेलों का बड़ा योगदान रहा है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल मंहगा होने से गेहूं, चावल और मूंग के दाम भी बेतहाशा बढ़ रहे थे। वायदा कारोबार में काल्पनिक तरीके से खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी जाती है ?जिससे आम लोगों को खाने-पीने की चीजें महंगी मिलती हैं। इसी महंगाई पर लगाम के लिए सरकार ने यह फैसला किया और इसके बाद महंगाई पर लगाम लगने की उम्मीद की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को आसमान के अंधेरे में प्रकाश की एक लकीर के रूप में देखा जा सकता

रोम (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को आसमान के अंधेरे में प्रकाश की एक लकीर के रूप में देखा जा सकता है हालांकि धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर घूम रहे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की नीचे से तस्वीर लेना काफी मुश्किल है। आईएसएस लगभग 28000 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहा है। नीचे से यह किसी टॉर्च की दूर से आती लाइट जैसा ही दिखाई देता है। अब आप उस लाइट के बारे में सोचें जो रोम के विश्व विरासत सूची में शामिल कोलोसियम के ऊपर से गुजरा होगा। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि इस तस्वीर को इतनी ज्यादा अहमियत क्यों दी जा रही है। वर्चुअल टेलीस्कोप प्रोजेक्ट चलाने वाले एस्ट्रोफिजिसिस्ट जियानलुका मासी ने 6 दिसंबर को कोलोसियम के ऊपर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अपने कैमरे में कैद किया था। उनके इस काम में रोम के पुरातत्व संग्रहालय पार्को आर्कियोलॉजिको डेल कोलोसियो ने साथ दिया था। यह तस्वीर जमीन से ऊपर की ओर खुले आसमान की तरफ ली गई है। इसमें ऐतिहासिक कोलोसियम एंफीथियेटर की दीवारें भी दिखाई दे रही हैं।

तस्वीर में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को आसमान के अंधेरे में प्रकाश की एक लकीर के रूप में देखा जा सकता है। तस्वीर लेने वाले जियानलुका मासी ने बताया कि हजार साल पुरानी दीवारों के साथ तीरों वाले आसमान को देखना, जिसमें प्राचीन नक्षत्रों के साथ आधुनिक स्पेस स्टेशन भी नजर आ रहा हो, वह वाकई जीवन में सिर्फ एक बार अनुभव होने वाली घटना थी। कोलोसियम लगभग 2000 वर्ष पुराना है। वहीं अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) अंतरिक्ष में 20 से अधिक वर्षों से है। इन दोनों की उम्र में काफी अंतर है, एक धरती पर मौजूद है तो दूसरा अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहा है। इसके बावजूद जब एक तस्वीर में दोनों दिखे तो इसकी खूबसूरती के लोग दीवाने हो गए। यह तस्वीर बता रही है कि इंसान ने अतीत से वर्तमान तक कितना फासला तय कर लिया है।

क्या है आईएसएस-

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन धरती से बाहर रिसर्च करने और अंतरिक्ष पर नजर रखने के लिए स्थापित एक केंद्र है। इसे धरती की सबसे नजदीकी कक्षा में 20 नवंबर 1998 को स्थापित किया गया था। इस स्पेस स्टेशन की स्थापना में दुनिया की कई अंतरिक्ष एजेंसियों ने साथ मिलकर काम किया है। आईएसएस को बनाने में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा, रूस की रशियन फेडरल स्पेस एजेंसी (आरकेए), जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए), कनाडा की कनेडियन स्पेस एजेंसी (सीएसए) और यूरोपीय देशों की संयुक्त यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) शामिल है। इसके अलावा भी कई देशों की स्पेस एजेंसियां समय-समय पर आईएसएस के साथ मिलकर काम करती रहती हैं।

तालिबान की अमेरिका से मांग, अफगानिस्तान की संपत्ति करें मुक्त

- इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्यों से अफगान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने का किया आह्वान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अफगानिस्तान के अरबों डालर को मुक्त कर देना चाहिए क्योंकि देश को नकदी की सख्त जरूरत है। अफगानिस्तान पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआइसी) के विशेष सत्र में अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान की सरकार को कमजोर करने से किसी को फायदा नहीं होगा। सूखे, कोरोना वायरस और विदेशी सहायता के बंद होने से अफगानिस्तान की पहले से ही नाजुक आर्थिक स्थिति अब और अधिक खराब हो गई है। उन्होंने इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्यों से अफगान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने का आह्वान किया है। गौरतलब है ?कि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अफगानिस्तान के 38 मिलियन (3.8 करोड़) लोगों में से आधे से अधिक भोजन की कमी का सामना कर रहे हैं।

मुत्ताकी ने कहा ?कि अफगान लोग शायद ही कोरोना महामारी और सूखे से प्रभावित हुए हों। अफगानिस्तान के 9.5 बिलियन डालर (लगभग 10 अरब डालर) से अधिक के फंड को फ्रीज कर दिया गया है और विश्व बैंक, एशियाई बैंकों और आइएमएफ की विदेशी सहायता भी रोक दी गई है। सभी विदेशी वित्त पोषित परियोजनाओं को भी रोक दिया गया है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। इसकी वजह से लाखों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अभी तक कट्टरपंथी इस्लामी समूह तालिबान को मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी के बीच तालिबान ने अगस्त में अफगानिस्तान पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। तालिबान द्वारा देश पर नियंत्रण पाने और सहायता पर निर्भर अर्थव्यवस्था के प्रभावी रूप से ध्वस्त होने के बाद वाशिंगटन ने अफगान केंद्रीय बैंक से संबंधित लगभग 9.5 बिलियन अमरीकी डालर (लगभग 10 अरब डालर) की संपत्ति जब्त कर ली है।

पाकिस्तानी नाव से 400 करोड़ की हेरोइन जब्त, 6 तस्कर गिरफ्तार

पाकिस्तान आतंकवाद के साथ समुद्र के शस्ते भाश्त समेत अन्य देशों में नशे की खेप भी पहुंचा श्हा है ।

अहमदाबाद (ईएमएस)। छह चालक दल के सदस्यों के साथ एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव और लगभग 400 करोड़ रुपए की 77 किलोग्राम हेरोइन ले जा रही थी, जिसे गुजरात तट से भारतीय जल क्षेत्र में पकड़ा गया था। अधिकारियों ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के संयुक्त अभियान में रविवार रात को मादक पदार्थ जब्त किया गया। गुजरात के रक्षा पीआरओ ने एक ट्वीट में कहा कि तटरक्षक बल ने राज्य एटीएस के साथ एक संयुक्त अभियान में पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव अल हुसैनी को भारतीय जल क्षेत्र में छह चालक दल के सदस्यों के साथ पकड़ लिया। उन्होंने ट्वीट में कहा ?कि लगभग 400 करोड़ रुपए की 77 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। नाव को आगे की जांच के लिए गुजरात के कच्छ जिले के जखाऊ तट पर लाया गया था। इस साल अप्रैल में तटरक्षक बल और एटीएस ने इसी तरह का ऑपरेशन किया था और कच्छ में जखाउ तट के पास भारतीय जल क्षेत्र से आठ पाकिस्तानी नागरिकों के साथ लगभग 150 करोड़ रुपये की 30 किलोग्राम हेरोइन ले जा रही एक नाव को पकड़ा था। पिछले महीने एटीएस ने गुजरात के मोरबी जिले में एक निर्माणाधीन घर से लगभग 600 करोड़ रुपए की हेरोइन ड्रग की खेप जब्त की थी। एटीएस ने कहा था कि यह खेप पाकिस्तानी ड्रग डीलरों ने अरब सागर के रास्ते अपने भारतीय समकक्षों को भेजी थी। इस साल सितंबर में कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह पर हेरोइन की सबसे बड़ी खेप बरामद की गई थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दो कंटेनरों से लगभग 3,000 किलोग्राम दवा जब्त की थी। इसके बारे में माना जाता है कि यह हेरोइन अफगानिस्तान से आया है। इसकी कीमत करीब 21,000 करोड़ रुपए है।

भारतीय कोस्ट गार्ड ने हाल ही में पाकिस्तानी नाव पकड़ी थी, 12 संदिग्धों की गिरफ्तारी

पिछले माह भारतीय कोस्ट गार्ड ने सर्वेलन्स मिशन के दौरान भारतीय जल सीमा में मौजूद 12 क्रू के साथ पाकिस्तानी नाव अल्लाह पावकल को को पकड़ा थी। भारतीय कोस्ट गार्ड ने कहा कि गश्त के दौरान उसने गुजरात के तट पर एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ा, जिसमें 12 क्रू मेम्बर्स मौजूद थे। इस बीच आईसीजी ने कहा कि खराब मौसम के बावजूद भारतीय कोस्ट गार्ड की सर्वेलन्स नाव ने मंगलवार रात पाकिस्तानी नाव को पकड़ा। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर की रात को भारतीय कोस्ट गार्ड का जहाज राजरतन गश्त पर था और उसने भारतीय जल क्षेत्र में 12 क्रू सदस्यों के साथ पाकिस्तानी अल्लाह पावकल नाव को रोका था।

'आप' नेता ईसुदान गढ़वी पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने लिया हिरासत में

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात भाजपा की महिला कार्यकर्ता के आम आदमी पार्टी (आप) नेता ईसुदान गढवी पर शराब के नशे में छेड़छाड़ करने के आरोप के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। पुलिस अब ईसुदान गढ़वी का गांधीनगर के सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच करवाएगी और उसके बाद ही आगे की कार्यवाही करेगी। घटना है गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमल की। जहां पेपर लीक मामले को लेकर आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया समेत पार्टी कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे। जहां भाजपा और आप कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच घर्षण होने पर वहां मौजूद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस के लाठियां भांजते ही कार्यकर्ताओं में भगदड़ मच गई। शेष बचे आप नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जिसमें आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया और ईसुदान गढ़वी समेत अन्य कई शामिल है। इस घटनाक्रम के बीच भाजपा की महिला नेता श्रद्धा राजपूत ने आप नेता ईसुदान गढवी पर नशे की हालत में होने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं नशे की हालत में गढवी ने उनके साथ छेड़छाड़ भी की। श्रद्धा राजपुत की शिकायत मिलने के बाद हरकत में आई पुलिस ने ईसुदान गढवी को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए गांधीनगर सिविल अस्पताल रवाना कर दिया। दरअसल गत 12 दिसंबर को गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से हेड क्लर्क के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा ली गई थी। लेकिन परीक्षा का पेपर लीक होने की मीडिया खबरें सामने आने और सरकार द्वारा इसे स्वीकार किए जाने के बाद इस मुद्दे पर राजनीति भी तेज हो गई। पहले कांग्रेस पेपर लीक मामले को लेकर सरकार ने घेरने लगी। अब आम आदमी पार्टी भी मैदान में उतर आई है। इसके अंतर्गत आज आप के नेता और कार्यकर्ता गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय विरोध प्रदर्शन करने पहुंच गए। जहां भाजपा और आप कार्यकर्ताओं के बीच घर्षण से माहौल तनावपूर्ण हो गया। मामला बिगड़ता देख वहां मौजूद पुलिस की लाठियां चलने पर कार्यकर्ताओं में भगदड़ मच गई। जिसमें कई कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई है।

'आप' प्रमुख समेत 500 लोगों की भीड़ के खिलाफ एफआईआर, गैरजमानती धाराएं लगीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गांधीनगर स्थित गुजरात भाजपा मुख्यालय पर हुए घर्षण के मामले में पुलिस ने आम आदमी पार्टी के 6 नेताओं समेत 500 लोगों की भीड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पेपर लीक कांड को लेकर सोमवार को आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम पर विरोध प्रदर्शन किया। उस दौरान भाजपा और आप कार्यकर्ताओं के बीच घर्षण के बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में आप के 6 नेता गोपाल इटालिया, ईसुदान गढवी, प्रवीण राम, शिवकुमार, निखिल सवाणी और हसमुख पटेल समेत 500 लोगों की भीड़ के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। जिसमें दफा 452, 353, 353ए, 341, 323, 143, 144, 145, 147, 148, 148, 151, 269, 188, 429, 504, 120बी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर एपेडेमिक एक्ट 37, गुजरात पुलिस एक्ट सेक्शन 135 जैसी धाराएं शामिल है। खिलाफ गैरजमानती धाराएं भी लगाई गई हैं और हिरासत में लिए गए सभी को कल अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक मयूर चावडा ने बताया कि कमलम की घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आप कार्यकर्ताओं को तितर बितर नेता और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। गुजरात भाजपा की ओर से 6 के खिलाफ नामजद शिकायत की गई है। पुलिस ने अब तक 70 लोगों को हिरासत में लिया है। मयूर चावडा ने बताया कि भाजपा मुख्यालय पर मामला शांत कराने का प्रयास कर रहे कई पुलिसकर्मियों को चोट आई है। शिकायतकर्ता पक्ष के कई लोग इस घटना में घायल हुए है। दूसरी ओर भाजपा की महिला कार्यकर्ता श्रद्धा राजपूत ने ईसुदान गढ़वी पर नशे में होने और छेड़छाड़ का आरोप लगाए है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने ईसुदान गढ़वी का मेडिकल टेस्ट करवाया, जहां उनकी प्राथमिक रिपोर्ट नोर्मल आई है। हांलाकि ईसुदान गढवी की ब्लड की रिपोर्ट आना बाकी है और उससे पता चलेगा कि घटना के वक्त वह नशे में थे या नहीं? दूसरी ओर आप कार्यकर्ताओं ने ईसुदान गढवी पर लगाए गए आरोपों का खारिज करते हुए कहा कि भाजपा हलकी राजनीति पर उतर आई है। मेडिकल रिपोर्ट के बाद पता चल जाएगा कि भाजपा के आरोप सही हैं या गलत। आप कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर आप कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की घटना की निंदा की है। केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा – गुजरात में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर ये बर्बरतापूर्ण हमला बेहद निंदनीय है। जनता के हक की आवाज को ऐसे किसी लाठी-टंडों या तानाशाही से नहीं दबाया जा सकता।

गुजरात में कोरोना के 70 नए मामले, 63 मरीज हुए ठीक, वलसाड में एक मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में आज कोरोना के 70 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 63 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.71 प्रतिशत है। दक्षिण गुजरात में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। वहीं आज राज्यभर में 2.21 लाख से अधिक नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। स्वास्थ्य से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 13, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 11, जामनगर कॉर्पोरेशन में 6, सूरत कॉर्पोरेशन में 6, राजकोट कॉर्पोरेशन में 5, जामनगर में 4, राजकोट में 4, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 3, मेहसाणा में 3, आणंद में 2, गिर सोमनाथ में 2, पोरबंदर में 2, सूरत में 2, भावनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 1, कच्छ में 1, नवसारी में 1, सुरेन्द्रनगर में 1, वडोदरा में 1 और वलसाड में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के 70 नए केस दर्ज हुए। वहीं जामनगर कॉर्पोरेशन में 15, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 13, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 11, वडोदरा में 6, अहमदाबाद में 4, बनासकांठा में 4, वलसाड में 3, कच्छ में 2, नवसारी में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1, मेहसाणा में 1, भावनगर में 1 समेत राज्य में 63 लोग कोरोना से स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए। राज्य में अब तक कुल 817937 लोग कोरोना को मात दे चुके है। जबकि 10102 लोग कोरोना के खिलाफ जंग हार गए। फिलहाल 577 सक्रिय मरीजों में 569 स्टेबल हैं और 8 मरीज वेन्टीलेटर पर है। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 221718 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। इसके अंतर्गत 7 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 379 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 6550 को कोविड की पहली और 50958 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 22644 को पहला और 141153 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। अब तक राज्य में कुल 87284752 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

वर्चुअल समिट की मांग

वाइब्रेंट गुजशत सम्मेलन पश लग सकता है कोशेना का ग्रहण

गुजशत सश्काश इसकी तैयाशियों में लंबे वक्तसे जुटी है ।

गांधीनगश,२० दिसंबर । प्रधानमंत्री नश्ेंद्र मोदी १० जनवशी को गांधीनगश में वाइब्रेंट गुजशत ग्लोबल सम्मेलन का उद्घाटन कश्ेंगे । गुजशत सश्काश इसकी तैयाशियों में लंबे वक्तसे जुटी है । इस बीच जानकाशी सामने आ श्ही है कि शजधानी गांधीनगश में कोशेना के नए वेशिएंट ने दस्तक दे दी है । जहां एक तश्फ गुजशत में ओमीक्रोन वेशिएंट के नए मामले हश दिन दर्ज हो श्हे हैं वहीं दूसशी तश्फ प्रदेश की बीजेपी सश्काश वाइब्रेंट समिट की तैयाशी में लगी हुई है ।ऐसे में मांग की जा श्ही है कि वाइब्रेंट समिट का आयोजन गांधीनगश में नहीं होना चाहिए. क्योंकि इसमें हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग विदेश से आने वाले है । ऐसे में नए वेशिएंट के बढ़ने का खतश औश ज्यादा हो जाता है । लोग मांग कश श्हे हैं कि शज्य सश्काश को वाइब्रेंट समिट का आयोजन वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जशिए ही कश्ना चाहिए ।

गुजशत सश्काश ने शजधानी गांधीनगश में १० से १२ जनवशी २०२० तक वाइब्रेंट समिट का आयोजन किया है. गुजशत सश्काश जहां एक तश्फ तैयाशियों में जुट गई है वहीं दूसशी तश्फ नए वेशिएंट ने गांधीनगश में दस्तक दे दी है ।लोगों के अनुसाश वाइब्रेंट समिट का आयोजन वर्चअली होना चाहिए ।अगश इसमें हिस्सा लेने के लिए विदेश से बड़ी संख्या में मेहमान आते हैं, तो इससे कोशेना का तूफान आ सकता है. इसलिए सश्काश को लोगों के स्वास्थ्य के बाश्े में चिंतित होने की जरूश्त है ।

चार साल की बच्ची पर तेंदुए का हमला, बाल बाल बची बच्ची की जान

गिर सोमनाथ (ईएमएस) ऊना के भडियादर गांव में चार साल की बच्ची पर तेंदुए के हमले से स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त है। तीन दिन पहले सनखडा गांव में चार साल के बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया था, जिसमें वह घायल हो गया था। जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले की ऊना तहसील के भडियादर गांव के खेत में चार वर्षीय बच्ची अपनी माता की गोद में खेल रही थी। उस वक्त अचानक तेंदुए हमला कर दिया और बच्ची को गले से दबोचकर भाग निकला। माता की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान तेंदुए के मुंह से बच्ची छुड़ाने उसके पीछे दौड़ने लगे। चारों तरफ से लोगों को अपनी ओर आता देख तेंदुए ने बच्ची को छोड़ दिया और वहां से भाग गया। तेंदुए के हमले में बच्ची के गले और पीठ पर चोट आई है। इससे पहले 17 दिसंबर को ऊना तहसील के सनखडा गांव में भीडभंजन क्षेत्र के खेत से अपने घर जा रहे चार वर्षीय बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। हांलाकि बच्चे के पिता की चीखने-चिल्लाने से तेंदुआ बच्चे को छोड़ भाग गया था। तेंदुए के हमले में बच्चे के सिर में चोट के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल बच्चा स्वस्थ है। इन घटनाओं के बाद वन विभाग ने आदमखोर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है।

जर्मनी का दुल्हा और रूस की दुल्हन ने गुजरात में हिन्दू शास्त्रोक्त विधि से रचाई शादी

साबरकांठा (ईएमएस) जिले के साकरोडिया गांव में विदेशी युगल ने हिन्दू शास्त्रोक्त विधि से वैवाहिक जीवन में कदम रखा। जर्मनी के दुल्हा और रूस की दुल्हन ने हिन्दू रीति-रिवाज से शादी की और उसमें बाराती-जनाती गुजराती बने। एक ओर जहां भारत के लोग पश्चिमी देशों का अनुकरण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पश्चिमी देश के लोग भारतीय संस्कृति का रुख कर रहे है। भारत में हिन्दू विधि-विधान से शादी होना आम बात है, लेकिन कोई विदेशी जोडा इस रीति-रिवाज से शादी करता है तो आश्चर्य जरूर होगा। दो अलग अलग देशों के युवक और युवती ने उत्तरी गुजरात में आकर हिन्दू रीति-रिवाज से शादी रचाई है। जर्मनी मूल के क्रिश मूलर और रूस की जुलिया उखवाकटीना ने भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर शास्त्रोक्त विधि से विवाह करने का फैसला किया। साबरकांठा जिले की हिम्मतनगर तहसील के साकरोडिया गांव में क्रिश मूलर और जुलिया उखवाकटीना की हिन्दू धर्म के अनुसार विवाह होना था, इसलिए दुल्हा-दुल्हन को हल्दी लगाई गई और वैवाहिक गीतों के साथ ही कन्यादान की भी रश्म पूरी की गई। शादी के लिए बाकायदा निमंत्रण पत्रिका भी बांटी गई। वर-वधु पक्ष की जिम्मेदारी उनके मित्र के परिजनों ने निभाई। जिन्होंने बाराती और जनाती की भूमिका निभाई और उनके बीच क्रिश मूलर और जुलिया उखवाकटीना हिन्दू धार्मिक विधि विधान से परिणय सूत्र में बंध गए। जुलिया और क्रिश दोनों अध्यात्म की तलाश में आए थे और उन्हें भारतीय संस्कृति इतनी भा गई कि इसी रंग में रंग गए।

गुजरात में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच शिक्षा विभाग ने यह फैसला लिया

राज्य शिक्षा विभाग की ओर से सभी स्कूलों को पत्र

गुजरात में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच गुजरात में शिक्षा जारी रहेगी। जिसमें राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से सभी स्कूलों को पत्र द्वारा सूचित किया गया है। जिसमें कक्षा-1 से 12 तक की शिक्षा ऑनलाइन-ऑफलाइन जारी रहेगी। साथ ही छात्रों को निर्देश दिया गया है कि कोई भी लक्षण दिखने पर वे स्वास्थ्य केंद्र जाएं।

सूरत शहर में 15 छात्र कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद शहर के चार स्कूलों में कुल 6 मामले सामने आने के साथ ही राज्य में अब तक कुल 35 छात्र कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। सूरत शहर में सबसे ज्यादा 15 छात्रों को कोरोना हुआ है।

असारवा-हिम्मतनगर डेमू ट्रेन के परिचालन समय में बदलाव

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए असारवा -हिम्मतनगर डेमू ट्रेन के परिचालन समय में बदलाव किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09401(79401) असारवा-हिम्मतनगर डेमू ट्रेन दिनांक 21 दिसंबर 2021 से असारवा से 18:30 बजे रवाना होकर 20:45 बजे हिम्मतनगर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09402(79402) हिम्मतनगर-असारवा डेमू ट्रेन दिनांक 22 दिसंबर 2021 से हिम्मतनगर से 07:00 बजे चलकर 09:15 बजे असारवा पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन सैजपुर, सरदार ग्राम, नरोड़ा, मेदरा, डभोड़ा, नांदोल दहेगाम, जालिया मठ, रखियाल, खेरोल, तलोद, खारी अमरापुर, प्रांतिज, सोनासण, हापा रोड स्टेशनों पर रुकेगी। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में किसान आंदोलन के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में किसान आंदोलन के कारण कुछ ट्रेनों को निरस्ते एवं कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट तथा तदनुसार शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

निरस्ती की गई ट्रेनें:

1) 20 दिसम्बईर, 2021 को छूटी ट्रेन संख्याा 12904 अमृतसर-मुंबई सेंट्रल गोल्डन टेम्पल मेल

2) 20 दिसम्बईर, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या् 19108 उधमपुर-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस

शॉर्ट-टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन होने वाली ट्रेनें:

1) 19 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा मालवा एक्सप्रेस जालंधर कैंट स्टेसशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

2) 20 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस, मुकेरियां स्टेकशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

3) 20 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा- डॉ अंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस पठानकोट कैंट स्टेमशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

4) 20 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 12476 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-हापा एक्सप्रेस भोगपुर सिरवाल स्टेठशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

5) 19 दिसम्बटर, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या6 19223 अहमदाबाद-जम्मू तवी एक्सप्रेस जालंधर सिटी स्टेटशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

6) 19 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्यान 12471 बांद्रा टर्मिनस- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्वराज एक्सप्रेस भोगपुर सिरवाल स्ट्रेशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

7) 19 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्यान 12903 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर स्वर्ण मंदिर मेल सहारनपुर स्टेजशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

8) 19 दिसम्ब र, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस- अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस चंडीगढ़ स्टेनशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

9) 21 दिसम्बोर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्या9 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस चंडीगढ़ स्टेशन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

10) 21 दिसम्बोर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्या9 19224 जम्मू तवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस भटिंडा जं. से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

11) 19 दिसम्बोर, 2021 को छूटी ट्रेन संख्या 19415 अहमदाबाद-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस भटिंडा जंक्शन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

12) 21 दिसम्बोर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस भटिंडा जं. से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

अहमदाबाद मंडल के 02 रेल कर्मचारी रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे संरक्षा के प्रति जागरूक रहने एवं सतर्कता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले 2 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे में संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक रेलकर्मी इस हेतु सजग रहता है। डयूटी के दौरान उनकी सजगता से रेल दुर्घटनाओं की आशंका दूर होती है वहीं ये कुशल एवं सजग प्रहरी दूसरे रेल कर्मियों के प्रति भी अनुकरणीय उदाहरण बनते हैं। डयूटी के दौरान सजगता, सतर्कता एवं जागरूकता से कार्य करने से रेल हादसों को टाला जा सकता है। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी ए.वी. पुरोहित के अनुसार अहमदाबाद मण्डल के उल्लेखनीय कार्य करने वाले 02 रेलकर्मी जिन्होंने संभावित रेल हादसों को रोकने में लगन,निष्ठा एवं मेहनत से समय रहते हुए कार्य किया एवं उच्च अधिकारियों को सूचित किया जिससे संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका।जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैंः-

1. दिनांक 12/12/2021 को गणेश गुलाब पाटील-पॉइंट्स मेन के पद पर गांधीनगर गेट्स साईडिंग पर 16.00 बजे से 20.00 बजे की शिफ्ट में कार्यरत थे। डयूटी के दौरान इन्होने ओएचई मस्ट संख्या-5/6 पर ओएचई ब्लास्ट होने की आवाज सुनी तो इन्होने तुरंत ही इसकी सूचना गांधीनगर स्टेशन पर कार्यरत ऑन डयूटि स्टेशन मास्टर ए.सी.राओल को दी एंव गाड़ी के लोको पायलट को भी सूचित किया। इसके बाद लोको पायलट द्वारा लोको के पेन्टोग्राफ को डाउन करके सावधानी पूर्वक रवाना किया गया। गणेश गुलाब पाटील से उपरोक्त सूचना प्राप्त होने पर ए.सी.राओल ने तुरंत इसकी जानकारी गाड़ी नियंत्रक एंव ट्रेक्शन पावर कंट्रोल (TPC) को दी तथा गाड़ी 19.03 बजे गांधीनगर स्टेशन पर आई थी। उसे स्टेशन पर ही रोक दिया और साईडिंग के लिए रवाना नहीं किया। ओएचई स्टाफ के 21.05 बजे ओएचई को अटेण्ड करने के पश्चात उक्त गाड़ी को साईडिंग के लिए रवाना किया गया। इस प्रकार गणेश गुलाब पाटील पॉइंट्स मेन/गांधीनगर की सतर्कता एंव त्वरित कार्यवाही के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना बच गई ।

2. दिनांक 10/12/2021 को गणपत एम.बारिया-पॉइंट्स मेन के पद पर सानंद स्टेशन पर 20.00 बजे से 08.00 बजे की शिफ्ट में कार्यरत थे। 21.52 बजे अप मालगाड़ी संख्या-ईं/ध्रं/र्णदें सानंद स्टेशन से रनिंग थ्रू पास होने के दौरान इन्होंने ऑफ साइड से गाड़ी की जाँच करने पर देखा कि ब्रेकवान से पहले वेगन संख्या-र्पे-22100983755 मे हेंगिंग पार्ट है। गणपत बारिया ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अविलंब गाड़ी के क्रू को खतरे का लाल सिग्नल दिखाकर गाड़ी को रोका गाड़ी 21.55 बजे अप स्टार्टर सिग्नल ए/12 को पार करके खड़ी हुई। गाड़ी में हेंगिंग पार्ट जो कि वेगन की सीढ़ी थी उसे केरिज एण्ड वैगन (र्वे) स्टाफ एंव स्टेशन स्टाफ की मदद से ठीक तरह से बांधकर सुरक्षित करने के पश्चात 22.16 बजे पुन; गाड़ी का प्रस्थान सानंद स्टेशन से किया गया। इस प्रकार गणपत एम.बारिया-पॉइंट्स मेन-सानंद की सतर्कता एंव त्वरित कार्यवाही के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना बच गई। उनका यह कार्य अत्याधिक सराहनीय एवं प्रशंसनीय है।

भरतसिंह सोलंकी की पत्नी का पति पर गंभीर आरोप, गुजरात कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के दो बार प्रमुख रह चुके और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी पर उनकी पत्नी रेशमा सोलंकी ने गंभीर आरोप लगाए है। रेशमा सोलंकी ने सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल करने के साथ ही कांग्रेस हाईकमांड सोनिया गांधी के अलावा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा को पत्र लिखकर भरतसिंह सोलंकी के कई महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध होने का आरोप लगाया है। रेशमा सोलंकी के मुताबिक भरतसिंह सोलंकी स्वयं गुजरात के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और ऐसा नहीं हुआ तो वह किसी और कांग्रेस नेता को मुख्यमंत्री बनने नहीं देंगे। भरतसिंह अपने पोलिटिकल स्टेट्स का दुरुपयोग कर कांग्रेस पार्टी को खत्म कर रहे हैं और गुजरात के लोगों में जान बूझकर गलत संदेश भेज कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने के लिए पर्दे के पीछे से खेल खेल रहे है। भरतसिंह सोलंकी को मुख्यमंत्री बनना है और ऐसा नहीं होने पर जब तक जिंदा रहेंगे तब तक किसी और को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। इसके लिए उनकी पीएम मोदी के साथ सांठगांठ है। अपने पत्र में रेशमा सोलंकी ने दावा किया है कि उनके पति भरतसिंह सोलंकी के कई महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध हैं और इन महिलाओं को चुनाव में टिकट दिलवाकर अन्य महिलाओं को राजनीति में आने से रोका है। इन महिलाओं के साथ भरतसिंह लगातार चैट करते हैं और बार बार कहते हैं कि आयु ज्यादा है तो क्या हुआ? रेशमा सोलंकी के मुताबिक उनके पति की ज्यादातर एनर्जी ऐसी महिलाओं के साथ काम करने में बर्बाद हो जाती है। मैंने कई बार भरतसिंह को समझाया है इसके बावजूद वह समझने को तैयार नहीं है। रेशमा ने पत्र में लिखा कि 24 साल पहले मैंने अपने परिवार के खिलाफ जाकर भरतसिंह सोलंकी से शादी की थी, लेकिन उन्होंने मुझे कभी पत्नी का कोई अधिकार नहीं दिया और घर से निकाल दिया। रेशमा सोलंकी ने पत्र में आगे लिखा कि मेरे देवर और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावड़ा सब कुछ जानते हैं, इसके बावजूद वह खामोश है। जो व्यक्ति अपने घर की महिलाओं को न्याय नहीं दिला सकता, वह राज्य की महिलाओं को कैसे न्याय दिलाएगा? रेशमा सोलंकी के मुताबिक मेरे ससुर माधवसिंह सोलंकी भी भरतसिंह सोलंकी से नाराज थे और आज राजनीति में उनका जो स्थान है वह अपने पिता की वजह से है और उसका वह दुरुपयोग कर रहे है।

कैनेडियन वुड ने अपने नवीनतम वेबिनार के माध्यम से स्थायित्वपूर्ण वानिकी, प्रमाणन और जलवायु परिवर्तन पर अंतर्दृष्टि साझा की

मुंबई, 17दिसंबर 2021: ब्रिटिश कोलंबिया सरकार (बीसी) की क्राउन एजेंसी कैनेडियन वुड ने हाल ही में 'स्थायित्वपूर्ण वानिकी, प्रमाणन और जलवायु परिवर्तन' विषय पर केंद्रित एक वेबिनार आयोजित किया। यह वेबिनार कैनेडियन वुड के स्थायित्वपूर्ण वानिकी और सॉफ्टवुड के उपयोग से संबंधित विषयों पर सभी हितधारकों के बीच ज्ञान प्रदान करने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

स्थायित्वपूर्ण वानिकी एक प्रामाणिक पद्धति है जो सभी जीवों के लाभ के लिए वन पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और उसके संवर्द्धन में मदद करती है। ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) को स्थायित्वपूर्ण वन प्रबंधन में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जाना जाता है।

वेबिनार में यह भी खुलासा हुआ कि भारत वानिकी उत्पादों का बड़े पैमाने पर उपभोक्ता है लेकिन भारत में अधिकांश वन संरक्षित हैं और अब अच्छी गुणवत्ता वाली लकड़ी का एक विश्वसनीय स्त्रोत प्रदान नहीं कर सकते हैं। इसलिए भारत को उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रामाणिक लकड़ी के आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। हालांकि, जानकार उपभोक्ताओं की मांग है कि कंपनियां उत्पादों का उत्पादन करते समय पर्यावरण का बेहद ध्यान रखें। इस प्रकार, यह सत्यापित करना अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है कि लकड़ी के उत्पाद स्थायी रूप से प्रबंधित और कानूनी रूप से काटे गए संसाधन से आते हों।

टाटा मोटर्स ने महाराष्ट्र सरकार के साथ किया सहयोग इस गठबंधन के तहत एक व्ही कल स्क्रैपिंग फैसिलिटी स्थापित की जायेगी

मुंबई, 17 दिसंबर, 2021: भारत के सबसे बड़े कमर्शियल व्हीयकल निर्माता, टाटा मोटर्स ने आज महाराष्ट्र सरकार के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं। यह महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, ऊर्जा एवं श्रम विभाग के माध्यम से हुआ है। इसकी मंशा महाराष्ट्र में रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ) स्थापित करने की है। एमओयू पर हस्ताक्षर महाराष्ट्र के मुंबई में 'इनवेस्टमेंट अपॉर्च्यूनिटीज इन हाइवे, ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स' पर एक कॉन्फरेन्स में किये गये। इस अवसर पर भारत सरकार में माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे। इस प्रस्तावित स्क्रैपेज सेंटर में अपना जीवनकाल पूरा कर चुके पैसेंजर और कमर्शियल वाहनों एक साल में 35000 तक वाहनों को पुनःचक्रित करने की क्षमता होगी।

इस आरवीएसएफ की स्थापना के लिये उद्योग, ऊर्जा एवं श्रम विभाग महाराष्ट्र की राज्य सरकार के नियमों और विनियमनों और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) द्वारा जारी ड्राफ्ट व्हीकल स्क्रैपेज पॉलिसी के अनुसार जरूरी अनुमोदनों को आसान बनाने में सहयोग करेगा। यह स्क्रैप के लिये लो इम्पोर्ट बिल और क्रूड ऑइल, एमएसएमई के लिये रोजगार के अवसर, ओईएम के लिये नये वाहनों की बिक्री में बढ़त की संभावना, वाहन के मालिकों के लिये परिचालन की कम लागत, उपभोक्ताओं के लिये ज्यादा सुरक्षित और स्वच्छ वाहन और सभी के लिये स्थायित्वपूर्ण वातावरण जैसे फायदों के साथ सभी साझीदारों की इच्छा पूरी करेगा। टाटा मोटर्स एक पार्टनर के साथ मिलकर स्क्रैपिंग सेंटर स्थापित करेगा।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95